"विजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."



पंजीयन क्रमांक ''छत्तीसगढ़/दुर्ग/ सी. ओ./रायपुर 17/2002.''

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 20]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 16 मई 2003—वैशाख 26, शक 1925

विषय-सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और अधिसूचनाएं, (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट.

भाग 2.- स्थानीय निकाय की अधिसूचनाएं.

भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सूचनाएं.

भाग 4.—(क) (1) छत्तीसगढ़ विधेयक, (2) प्रवर सिमिति के प्रतिवेदन, (3) संसद में पुर:स्थापित विधेयक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) छत्तीसगढ़ अधिनियम, (3) संसद् के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 1 मई 2003

क्रमांक 1060/2002/साप्रवि/1/2.—अखिल भारतीय सेवा (अवकाश) नियम, 1955 के नियम 15 के तहत श्री राजकमल, भा.प्र.से. (छ.ग. 1994), विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी, 12वां वित्त आयोग, वित्त एवं योजना विभाग को दिनांक 16-6-2003 से दिनांक 15-6-2006 तक का असाधारण अवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

- अवकाश काल में श्री राजकमल को कोई वेतन एवं भत्ता देय नहीं होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.
- 3. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री राजकमल अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, पंकज द्विवेदी, प्रमुख सचिव.

रायपुर, दिनांक 29 जुलाई 2002

क्रमांक 2054/1460/साप्रवि/2002/1/2.—श्री एम. आर. ठाकुर, तत्कालीन कलेक्टर, कवर्धा को दिनांक 7-1-2002 से 14-6-2002 (159 दिवस) का लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा दिनांक 15-6-2002 एवं 16-6-2002 के सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री ठाकुर को संयुक्त सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास में अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ किया जाता है.
- प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री ठाकुर अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्यरत रहते.
- श्री ठाकुर को अवकाश वेतन व अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पूर्व मिलते थे.

रायपुर, दिनांक 23 अप्रैल 2003

क्रमांक 936/915/2003/साप्रिव/2/लीव. — श्री ए. के. विजयवर्गीय, अपर मुख्य सिचव (वित्त) को दिनांक 15-5-2003 से 20-6-2003 तक (कुल 37 दिवस) का अर्जित अवकाश स्त्रीकृत किया जाता है. साथ ही दिनांक 14-5-2003 एवं 21, 22-6-2003 को सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

- प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री विजयवर्गीय अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्यरत रहते.
- अवकाश काल में श्री विजयवर्गीय को अवकाश वेतन व अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पूर्व मिलते थे.
- अवकाश से लौटने पर श्री विजयवींय को अपर मुख्य सचिव (वित्त) के पद पर अस्थायी रूप से पुन: पदस्थ किया जाता है.
- 5. श्री विजयवर्गीय अपर मुख्य सचिव (वित्त) के अवकाश अविध में उनका कार्य डॉ. इंदिरा मिश्रा, अपर मुख्य सचिव अपने वर्तमान कार्य के साथ-साथ संपादित करेंगी.

रायपुर, दिनांक 23 अप्रैल 2003

क्रमांक 939/671/2003/साप्रवि/2/लीव.—श्री एस. के. केहरि,

संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मंत्रालय, रायपुर को दिनांक 21-1-2003 से 11-3-2003 तक (कुल 50 दिवस) का लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

- 2. श्री केहिरि को अवकाश से लौटने पर संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में पुन: अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ किया जाता है.
- 3. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री केहरि अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्यरत रहते.
- अवकाश काल में श्री केहिर को अवकाश वेतन व अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पूर्व मिलते थे.

रायपुर, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 1025/892/2003/साप्रवि/1/2/लीव.—श्री मनोहर पांडेय, संयुक्त सचिव, छ. ग. शासन, खाद्य, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को दिनांक 19-5-2003 से 31-5-2003 तक (13 दिन) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है, साथ ही 16, 17, 18-5-2003 एवं अंत में 1-6-2003 का शासकीय अवकाश में जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है.

- 2. अवकाश से लॉटने पर श्री पांडेय को आगामी आदेश तक संयुक्त सचिव, छ. ग. शासन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पद पर पदस्थ किया जाता है.
- अवकाश काल में श्री पांडेय को अवकाश वेतन व भत्ता उसी प्रकार देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.
- 4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री पांडेय अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

. रायपुर, दिनांक 1 मई 2003

क्रमांक 1038/896/2003/साप्रवि/1/2.—इस विभाग के आदेश क्रमांक 793/673/साप्रवि/1/2, दिनांक 1-4-2003 द्वारा श्री सी. के. खेतान, तत्कालीन सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग मंत्रालय, रायपुर को दिनांक 21-4-2003 से 30-4-2003 सक (11 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया था, एतद्द्वारा निरस्त किया जाता है.

रायपुर, दिनांक 1 मई 2003

क्रमांक 1043/882/2003/साप्रवि/1/2/लीव.—श्री उजागर सिंह, सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, मंत्रालय, रायपुर को दिनांक 16-4-2003 से 17-4-2003 तक (2 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है. साथ ही दिनांक 11-4-2003 से 15-4-2003 एवं 18-4-2003 से 20-4-2003 का शासकीय अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

- 2. श्री उजागर सिंह को अवकाश से लौटने पर सिचय, छ. ग. शासन, जल संसाधन विभाग के पद पर अस्थायी रूप से पुन: पदस्थ किया जाता है.
- श्री उजागर सिंह को अवकाश वेतन व अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पूर्व मिलते थे.
- श्री उजागर सिंह, सचिव, जल संसाधन विभाग यदि अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्यरत रहते.

रायपुर, दिनांक 1 मई 2003

क्रमांक 1054/982/2003/साप्रवि/1/2/लीव.—श्री आर. सी. सिन्हा, सचिव, छ. ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय रायपुर को दिनांक 3-5-2003 से 13-5-2003 तक (11 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है. साथ ही दिनांक 14-5-2003 को सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

- 2. अवकाश से लौटने पर श्री सिन्हा को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक सचिव, उच्च शिक्षा विभाग में पुन: पदस्थ किया जाता है.
- श्री सिन्हा यदि अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्यरत रहते.
- अवकाश की अविध में श्री सिन्हा को अवकाश वेतन व अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश के पूर्व मिलते थे.
- 5. श्री सिन्हा के अवकाश अविध में सिचव, उच्च शिक्षा विभाग का कार्य श्री एस. पी. त्रिवेदी, विशेष सिचव, वित्त एवं योजना विभाग अपने कार्य के साथ-साथ संपादित करेंगे.

रायपुर, दिनांक 1 मई 2003

क्रमांक 1056/950/2003/साप्रवि/1/2/लीव.—श्री अजयसिंह, सचिव, कर्जा विभाग, मंत्रालय, रायपुर को दिनांक 12-5-2003 से 24-5-2003 तक (13 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है. साथ ही दिनांक 10, 11-5-2003 एवं 25-5-2003 का शासकीय अवकाश जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है.

- अवकाश काल में श्री अजयसिंह, सचिव को अवकाश वेतन एवं भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलते थे.
- प्रमाणित किया जाता है कि श्री सिंह यदि अवकाश पर नहीं जाते तो सचिव, ऊर्जा विभाग में पद पर कार्यरत रहते.
- 4. अवकाश से लौटने पर श्री अजयसिंह को सचिव, ऊर्जा विभाग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में पुन: पदस्थ किया जाता है.
- 5. श्री अजयसिंह, सिचव, ऊर्जा एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारों के अवकाश अविध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारों का कार्य श्री बाबूलाल अग्रवाल, विशेष सिचव अपने कार्य के साथ-साथ संपादित करेंगे. साथ ही ऊर्जा विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग कार्कार्य श्री सर्राजयस मिंज, सिचव, आदिमजाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग अपने कार्य के साथ-साथ संपादित करेंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, के. के. बाजपेयी, अवर सचिव.

गृह (सामान्य) विभाग (विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ) मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 21 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-24/गृह/दो/2003.—पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 29 जनवरी, 2003 को प्रश्नपत्र "स्थानीय शासन अधिनियम तथा नियम" (बिना पुस्तकों के) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है:—

अनु.	परीक्षार्थी का नाम	पदनाम
(1)	(2)	(3)

निम्नस्तर कलेक्टर रायपुर

श्री देव कुमार सोनी

उप अंकेक्षक

कलेक्टर बिलासपुर

श्रीमती शांता सरोज एका

पर्यवेशक

रायपुर, दिनांक 21 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-22/गृह/दो/2003.--वन विभाग के सहायक वन संरक्षकों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 29 जनवरी, 2003 को प्रश्नपत्र "सामान्य विधि प्रश्नपत्र-2" (पुस्तकों सहित) विषयक में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :--

अनु.	परीक्षार्थी का नाम	पदनाम	
(1)	(2)	(3)	

उच्चस्तर कलेक्टर रायपुर

श्री उमेश कुमार सिंह

वन क्षेत्रपाल

श्री यशवंत कुमार डहरिया

वन क्षेत्रपाल

रायपुर, दिनांक 26 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-41/गृह/दो/2003.—वन विभाग के वन क्षेत्रपालों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 31 जनवरी, 2003 को प्रश्नपत्र "लेखा द्वितीय" (बिना पुस्तकों के) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :--

		
अनु.	परीक्षार्थी का नाम	पदनाम
(1)	(2)	(3)

कलेक्टर रायपुर

श्री हिरेसिंह उइके

वन क्षेत्रपाल

रायपुर, दिनांक 26 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-43/गृह/दो/2003.- वन विभाग के सहायक वन संरक्षकों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 31 जनवरी, 2003 को प्रश्नपत्र "प्रक्रिया तथा लेखा-3" (पुस्तकों सहित) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थी को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :--

अनु.	परीक्षार्थी का नाम	पदनाम
(1)	(2)	(3)
•		

कलेक्टर रायपुर

श्री यशवंत कुमार डहरिया

वन क्षेत्रपाल

रायपुर, दिनांक 26 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-7/गृह/दो/2003.--पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 27 जनवरी. 2003 को प्रश्नपत्र ''समाज कल्याण'' (बिना पुस्तकों के) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :--

अनु.	परीक्षार्थी का ना	म पदनाम				
(1)	(2)	(3)				

सश्रेय कलेक्टर रायपुर

श्री बलराम मोरे

विकासखंड अधिकारी

श्री दिलीप कुमार अग्रवाल

मुख्य कार्यपालन

अधिकारी.

(1) (2) (3)

3. श्रीमती लिलता धुव पर्यवेक्षक

कलेक्टर बिलासपुर

4. श्री आनन्द प्रकाश किसपोट्टा जिला महिला बाल विकास अधिकारी.

उच्चस्तर कलेक्टर रायपुर

1. श्रीमती राजकुमारी माग्रे सहायक महिला बाल

कलेक्टर बिलासपुर

श्रीमती अलिबना कुजूर परियोजना अधिकारी

निम्नस्तर कलेक्टर रायपुर

1. श्रीमती उषा मिश्रा

पर्यवेक्षक

विकास विस्तार अधिकारी.

कलेक्टर बिलासपुर

श्रीमती फलदिनायां मिंज सहायक महिला बाल विकास विस्तार अधिकारी.
 श्रीमती हिरमनी पर्यवेक्षक

श्रीमती मोहिनी सिन्हा पर्यवेक्षक

श्रीमती उमाकान्ति जायसवाल पर्यवेक्षक

रायपुर, दिनांक 26 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-15/गृह/दो/2003.—वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 29 जनवरी, 2003 को प्रश्नपत्र ''पुस्तपालन तथा कर निर्धारण'' (पुस्तकों सिहत) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सिम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है:—

अनु.	परीक्षार्थी का नाम	पदनाम
(1)	(2)	(3)

उच्चस्तर कलेक्टर रायपुर

1. श्री प्रेमसिंह विंध्यराज

वाणिज्यिक कर अधिकारी

रायपुर, दिनांक 26 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-3/गृह/दो/2003.—उत्पाद शुल्क (आबकारी) विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागोय परीक्षा, जो दिनांक 27 जनवरी, 2003 को प्रश्नपत्र ''विधि तथा प्रक्रिया'' विषय में सम्पन्न हुई थी, में सम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है:—

अनु.	परीक्षार्थी का नाम	पदनाम
(1)	(2)	(3)

उच्चस्तर कलेक्टर रायपुर

1. श्री अल्ताफ करीम खान

आबकारी उप निरीक्षक

कलेक्टर बिलासपुर

2. श्री नितिन शुक्ला आवकारी उप निरीक्षक

. श्री मुकेश अग्रवाल आबकारी उप निरीक्षक

4. कु. नीलिमा शर्मा आबकारी उप निरीक्षक

निम्नस्तर कलेक्टर रायपुर

1. श्री योगेश्वर शुक्ला

आबकारी उप निरीक्षक

कलेक्टर बिलासपुर

2. रतन सिंह नागेश

आबकारी उप निरीक्षक

3. श्री भूपत सिंह राठौर

आबकारी उप निरीक्षक

रायपुर, दिनांक 26 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-52/गृह/दो/2003.—सहायक कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख, सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख, जिला कार्यालय के अधीक्षक, ग्रामीण विकास विभाग के विकासखण्ड अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक, क्षेत्र संयोजक, विकासखण्ड अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा जो दिनांक 31-1-2003 को प्रश्नपत्र ''पंचायत राज विधि तथा प्रक्रिया'' (पुस्तकों सिहत) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सिम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है :—

—— अन्.	परीक्षार्थी का नाम	पदनाम
(1)	(2)	(3)

उच्चस्तर कलेक्टर बिलासपुर

1. श्री चन्द्रप्रकाश मनहर

विकासखण्ड अधिकारी प्रति. सहायक परियोजना अधिकारी

निम्नस्तर कलेक्टर रायपुर

1. श्रीमती उषा गेंदले

नायब तहसीलदार

कलेक्टर बस्तर

2. कु. सतरूपा साहू

राजस्व निरीक्षक

रायपुर, दिनांक 26 अप्रैल 2003

क्रमांक एफ-9-14/गृह/दो/2003.—पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के लिये राज्य शासन द्वारा नियत विभागीय परीक्षा, जो दिनांक 28 जनवरी, 2003 को प्रश्नपत्र ''समाज शिक्षा'' (बिना पुस्तकों के) विषय में सम्पन्न हुई थी, में सिम्मिलित निम्न परीक्षार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाता है:—

अनु.	परीक्षार्थी का नाम	पदनाम
(1)	(2)	(3)

उच्चस्तर कलेक्टर बिलासपुर

1. डॉ. पंकज वर्मा

व्यावसायिक चिकित्सक

2. श्री देव कुमार सोनी

उप अंकेक्षक (सश्रेय)

कलेक्टर बिलासपुर

श्रीमती उमाकान्ति जायसवाल पर्यवेक्षक

4. श्री बी. आर. नेताम

परियोजना अधिकारी

निम्नस्तर कलेक्टर बिलासपुर

1. श्रीमती सविता गुप्ता

पर्यवेक्षक

2. श्रीमती गीता गुप्ता

पर्यवेक्षक

3. श्रीमती विजय लक्ष्मी मिश्रा

पर्यवेक्षक

4. श्रीमती हिरामनी

पर्यवेक्षक

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, निरंजन दास, उप-सचिव.

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 21 मार्च 2003

क्रमांक 669/213/03/11/वा. उ.—इंडियन बॉयलर्स एक्ट, 1923 की धारा 34 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन छत्तीसगढ़ इलेक्ट्रिसिटी कंपनी लिमि. सिलतरा, रायपुर के बॉयलर क्रमांक एम. आर./8587 को निम्नलिखित शर्तों पर उक्त अधिनियम की धारा 6 (सी) के उपबंधों के प्रवर्तन से दिनांक 1-2-2003 से दिनांक 30-4-2003 तक के लिए तीन माह की छूट देता है :—

- (1) संदर्भाधीन बॉयलर को पंहुंचने वाली किसी भी हानि की सूचना भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 की धारा 18 (1) की अपेक्षानुसार तत्काल बॉयलर निरीक्षक/मुख्य निरीक्षक वाष्ययंत्र, छत्तीसगढ़ को दी जावेगी एवं दुर्घटना होने के दिनांक से छूट की मान्यता समाप्त समझी जावेगी.
- (2) उक्त अधिनियम की धारा 12 तथा 13 की अपेक्षानुसार मुख्य निरीक्षक वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ के पूर्वानुमोदन के बिना संदर्भाधीन बॉयलर में किसी प्रकार का संरचनात्मक परिवर्तन अथवा नवीनीकरण नहीं किया जावेगा.
- (3) संदर्भाधीन बॉयलर का सरसरी दृष्टि से निरीक्षण किये जाने पर यदि वह खतरनाक स्थिति में पाया गया तो यह छूट समाप्त हो जावेगी.
- (4) नियतकालिक सफाई और नियमित रूप से गैस निकालने (रेग्युलर ब्लोडाउन) का कार्य किया जावेगा और उसका अभिलेख रखा जावेगा.
- (5) मध्यप्रदेश बॉयलर निरीक्षण नियम 1969 के नियम 6 की अपेक्षानुसार संदर्भाधीन बॉयलर के संबंध में वार्षिक निरीक्षण शुल्क देय होने पर अग्रिम दी जावेगी, एवं
- (6) यदि राज्य शासन आवश्यक समझे तो प्रश्नांकित छूट में संशोधन कर सकता है अथवा उसे वापस ले सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, पी. राघवन, प्रमुख सचिव.

रायपुर, दिनांक 16 जनवरी 2003

क्रमांक 147/1843/02/11/वा. उ.—इंडियन बॉयलर्स एक्ट, 1923 की धारा 34 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन मे. बाल्को केप्टिव पावर प्लांट, जमनीपाली, कोरबा के बॉयलर क्रमांक एम. पी./3694 को निम्नलिखित शर्तों पर उक्त अधिनियम की धारा 6 (सी) के उपबंधों के प्रवर्तन से दिनांक 24-7-2002 से दिनांक 9-8-2002 तक के लिए की छूट देता है :—

- (1) संदर्भाधीन बॉयलर को पहुंचने वाली किसी भी हानि की सूचना भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 की धारा 18 (1) की अपेक्षानुसार तत्काल बॉयलर निरीक्षक/मुख्य निरीक्षक वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ को दी जावेगी एवं दुर्घटना होने के दिनांक से छूट की मान्यता समाप्त समझी जावेगी.
- (2) उक्त अधिनियम की धारा 12 तथा 13 की अपेक्षानुसार मुख्य निरीक्षक वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ के पूर्वानुमोदन के बिना संदर्भाधीन बॉयलर में किसी प्रकार का संरचनात्मक परिवर्तन अथवा नवीनीकरण नहीं किया जावेगा.
- (3) संदर्भाधीन बॉयलर का सरसरी दृष्टि से निरीक्षण किये जाने पर यदि वह खतरनाक स्थिति में पाया गया तो यह छूट समाप्त हो जावेगी.

- (4) नियतकालिक सफाई और नियमित रूप से गैस निकालने (रेग्युलर ब्लोडाउन) का कार्य किया जावेगा और उसका अभिलेख रखा जावेगा.
- (5) मध्यप्रदेश बॉयलर निरीक्षण नियम 1969 के नियम 6 की अपेक्षानुसार संदर्भाधीन बॉयलर के संबंध में वार्षिक निरीक्षण शुल्क देय होने पर अग्रिम दी जावेगी, एवं
- (6) यदि राज्य शासन आवश्यक समझे तो प्रश्नांकित छूट में संशोधन कर सकता है अथवा उसे वापस ले सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, . एम. के. पाण्डे, संयुक्त सचिव.

रायपुर, दिनांक 1 अप्रैल 2003

क्रमांक 817/34/2003/11/वा. उ.—इंडियन बॉयलर्स एक्ट, 1923 की धारा 34 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल कोरबा (पूर्व) कोरबा के बॉयलर क्रमांक एम. पी./3224 को निम्नलिखित शर्तों पर उक्त अधिनियम की धारा 6 (सी) के उपबंधों के प्रवर्तन से दिनांक 9-1-2003 से दिनांक 8-4-2003 तक के लिए तीन माह की छूट देता है :—

- (1) संदर्भाधीन बॉयलर को पहुंचने वाली किसी भी हानि की सूचना भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 को धारा 18 (1) की अपेक्षानुसार तत्काल बॉयलर निरीक्षक/मुख्य निरीक्षक वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ को दी जावेगी एवं दुर्घटना होने के दिनांक से छूट की मान्यता समाप्त समझी जावेगी.
- (2) उक्त अधिनियम की धारा 12 तथा 13 की अपेक्षानुसार मुख्य निरीक्षक वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ के पूर्वानुमोदन के बिना संदर्भाधीन बॉयलर े में किसी प्रकार का संरचनात्मक परिवर्तन अथवा नवीनीकरण नहीं किया जावेगा.
- (3) संदर्भाधीन बॉयलर का सरसरी दृष्टि से निरीक्षण किये जाने पर यदि वह खतरनाक स्थिति में पाया गया तो यह छूट समाप्त हो जावेगी.
- (4) नियतकालिक सफाई और नियमित रूप से गैस निकालने (रेग्युलर ब्लोडाउन) का कार्य किया जावेगा और उसका अभिलेख रखा जावेगा.
- (5) मध्यप्रदेश बॉयलर निरीक्षण नियम 1969 के नियम 6 की अपेक्षानुसार संदर्भाधीन बॉयलर के संबंध में वार्षिक निरीक्षण शुल्क देय होने पर अग्रिम दी जावेगी, एवं
- (6) यदि राज्य शासन आवश्यक समझे तो प्रश्नांकित छूट में संशोधन कर सकता है अथवा उसे वापस ले सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, महिपाल सिंह धुर्वे, विशेष सचिव.

रायपुर, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक 845/456/2003/11/ता. उ.—इंडियन बॉयलर्स एक्ट, 1923 की धारा 34 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन िन्दल स्टील एण्ड पावर लि. यूनिट क्र. 11, रायगढ़ के बॉयलर क्रमांक सी. जी./20 एवं सी. जी./21 को निम्नलिखित शर्तों पर उक्त अधिनियम को धारा 6 (सी) के उपबंधों के प्रवर्तन से दिनांक 15-3-2003 से दिनांक 31-3-2003 तक के लिए 17 दिन की छूट देता है :—

- (.) संदर्भाधीर बॉयलर को पहुंचने वाली किसी भी हानि की सूचना भारतीय वॉयलर अधिनियम, 1923 की धारा 18 (1) की अपेक्षानुसार तत्काल बॉयलर निरीक्षक/भुख्य निरीक्षक वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ को दी जावेगी एवं दुर्घटना होने के दिनांक से छूट की मान्यता समाप्त समाप्त जाएंगी.
- (2) उक्त अधिनियम की धारा 12 तथा 13 की अपेक्षानुसार मुख्य निरीक्षक वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ के पूर्वानुमोदन के बिना संदर्भाधीन बॉयलर में किसी प्रकार का संरचनात्मक परिवर्तन अथवा नवीनीकरण नहीं किया जावेगा.
- (3) संदर्भाधीन बॉयलर का सरसरी दृष्टि से निरीक्षण किये जाने पर यदि वह खतरनाक स्थिति में पाया गया तो यह छूट समाप्त हो जावेगी.
- (4) नियतकालिक सफाई और नियमित रूप से सैंस निकालने (रेग्युलर ब्लोडाउन) का कार्य किया जावेगा और उसका अभिलेख रखा जावेगा.
- (5) मध्यप्रदेश बॉयलर निरीक्षण नियम 1969 के नियम 6 की अपेक्षानुसार संदर्भाषीन वॉयलर के संबंध में वार्षिक निरीक्षण शुल्क देय होने पर अग्रिम दी जावेगी. एवं
- (6) यदि राज्य शासन आवश्यक समझे तो प्रश्नांकित छूट में संशोधन कर सकता है अथवा उसे वापस ले सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, हिं आर. के. श्रीवास्तव, उप-सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्ट: जिला जांजगीर-चांपा छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/151.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्धेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपअंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जॉजगीर-चांपा	मालखरौदा	भुतहा प.ह.नं. 4	1.304	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा	भुतहा ब्रांच सब माइनर निम हेतु.	णि

क्रमांक क/भू-अर्जन/152.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता हैं, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	भुतहा प.ह.नं. ४	0.457	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा, जिला जांजगीर-चांपा (छ. ग.).	भुतहा ब्रांच सब माइनर-2 नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, सक्ती/बांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/153.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :--

अनुसूची

	भूमि का वर्णन			धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
⁶⁶ (1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-दांपा	मालखरीदा 🖊	अमेराडीह प.ह.नं. 4	0.234	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	भुतहा ब्रांच सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/154.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के अपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उस्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है, राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सतगढ़ प.ह.नं. 03	0.109	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग 4, डभरा, जिला–जांजगीर–चांपा, छ.ग.	संतगढ़ सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/155.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	ų	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	भठोरा	0.291	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो	संतगद् सब माइनर नहर निर्माण
•		प.ह.नं. ३		नहर संभाग, ४, उभरा, जिला-जांजगीर-चांपा.	हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/156.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भृमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथया आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दो जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उवत भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	_
	_
3777	ì
CHENT	41
~ 1 L \ 1	7.4

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभः क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	छपोत्र ४ इ.नं. १३	1.543	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	अचरीतपाली सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नवशा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/157.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाता है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेय(में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	डोमा प.ह.नं. 13	0.817	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग 4, डभरा.	डोमा सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/158.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	97	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	. लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	छपोरा प.ह.नं. 13	. 0.093	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग 4, डभरा, जिला जांजगीर-चांपा (छ. ग.).	छपोरा सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अजेंन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/159.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894. फूमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	छपोरा प.ह.नं. 13	0.594	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा, जिला जांजगीर–चांपा, छ. ग.	डोमा सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/160.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	_
अनुसू	चा

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	पिहरीद प.ह.नं. 4	0.668	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग 4, डभरा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ. ग.)	बड़े सीपत सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/161.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-	वांपा डभरा	बरतुंगा प.ह.नं. 5	0.650	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	बड़े मुड़पार सब डि. वाय. सिंघरा नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/162.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	बरतुंगा प.ह.नं. 5	1.412	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर, बरतुंगा ब्रान्व माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक कं/भू-अर्जन/163.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूर्चेत्रा दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी, गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :---

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	'तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(4)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा ं	कुसुमझर प.ह.नं. १	1.117	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता (हसदेव) सिंचाई परियोजना.	रतापाली सब डि. वाय नहर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/164.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सिरियागढ़ प.ह.नं. १	0.444	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर, झनकपुर ब्रान्च माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर, के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/165 — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	रूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सिरियागढ़ प.ह.नं. 9	0.292	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो संभाग, क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर, सूखापाली ब्रांच माइनर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/166.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कुसुमझर प.ह.नं. १	0.086	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता हसदेव बांगो परियोजना स. क्र. 4, डभरा.	कुसुमझर माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/167.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू 'नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर–चांपा	डभरा	झनकपुर प.ह.नं. 9	1.198	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग-4, डभरा.	झनकपुर ब्रांच माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/168.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कुसमुल प.ह.नं. 5	5.462	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	बड़े मुड़पार, सब डि. ब्यू. नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/169.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	5	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीरचांपा	डभरा	बरतुंगा प.ह.नं. 5	4.695	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता (हसदेव) बांगो सिंचाई परियोजना, संभाग क्र.4, डभरा.	वरतुंगा माइनर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/170.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

-	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
. जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	खैरा प.ह.नं. 6	1.283	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता (हसदेव) बांगो सिंचाई, परियोजना सं. क्र. 4, डभरा.	खैरा माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/171.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

-	·	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	त्रापकृत आवकात	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	फरसवानी प.ह.नं. 6	4.304	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर, फरसवानी माइनर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/172,—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

				٦
अ	न	स	च	I
	•			

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर~चांपा	डभरा	गोबरा प.ह.नं. 6	0.121	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर, कौडिया माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/173.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दो जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सपिया प.ह.नं. १	1.527	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, उभरा.	सिंघरा वितरक नहर, सपिया माइनर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/174.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	तुलसीडीह प.ह.नं. 10	0.720	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर, कुसमुल माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/175.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उस्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	- डभरा	खोंधरा	1.905	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो _नहर संभाग-4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर रतापाली सब डि. वाय.

क्रमांक क/भू-अर्जन/176.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील /	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	तेन्दुमुड़ी प.ह.नं. 8	0.409	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरावितरक नहर, सुखापाली माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/177.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सुखदा	1.446	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा	बड़े मुड़पार सब डि. वाय.

क्रमांक क/भू-अर्जन/178.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्देखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

		_2
अ	नस	ाचा
٠,	37	ויר

	9	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	डभरा	खोंधर .	0.866	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिद्रियागढ् माइनर.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/179.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मुमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	खोंधरा प.ह.नं. 8	1.393	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	खोंधर माइनर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/180.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गर्थे सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	खुरघटी प.ह.नं. १	0.558	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4,⁄डभरा.	खुरघटी ब्रांच माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्ज्न अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/181.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	तेन्दुमुड़ी प.ह.नं. 8	1.697	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर, रतापाली सब डि. वाय.

क्रमांक क/भू-अर्जन/182.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ें प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	छुहीपाली प.ह.नं.11	0.278	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर ब्रांच माइनर 2, ठनगन माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/183.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	. 9	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	, का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(-5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	डभरा	वोकरेल प.ह.नं. 9	1.506	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	कुरदा वितरक नहर.	

क्रमांक क/भू-अर्जन/184.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	ं का वर्णन
(1)	(2)	. (3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	डभरा प.ह.नं. 10	1.785	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	डभरा ब्रांच माइनर 2 नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/185.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

•	. 9	्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	डभरा प.ह.नं. 10	1.011	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	भेड़ीकोना माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/186.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतांत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की घारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अ	7	9	वा
	٠.	`ሌ	

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	डभरा प.ह.नं. 10	2.265	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	डभरा माइनर 2 नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/187.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उह्रेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	ूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्र∤ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	डभरा प.ह.नं.10	3.147	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा	ठनगन ब्रांच माइनर 1 नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/188.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एडने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	L
2141	i
जगत्त्रप	ı
- 'S &	

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	नवापारा प.ह.नं. 10	1.536	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	नवापास माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/189.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दो जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दो गई राक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u>जिला</u>	तहसील .	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	ठनगन प.ह.नं. 8	1.954	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, उभरा.	छुहीपाली सब डो. वाय. नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/190.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	_ ^
अनुस	चा

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सुखापाली प.ह.नं. 8	2.728	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभुरा.	सुखापाली माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/191.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कंवलाझर प.ह.नं. 9	3.363	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कंवलाझर माइनर आफ सुखा- पाली माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/192.—चूंकि राज्य शासन को यह,प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कंवलाकर प.ह.नं. 9	0.715	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कंवलाझर ब्रांच माइनर नरूर निर्माण हेुतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/193.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2) .	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डंभरा	घिंव रा प.ह.नं. 1	3. <u>2</u> 15	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	सिंघरा वितरक नहर से आर. डी. निकलने वाली देवरघटा माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/194.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	, का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	चुरतेली प.ह.नं. 6	2.712	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कोड़िया माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/195.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सुखदा प.ह.नं. 5	6.439	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	सुखदा माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/196.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

	_			r
З	न	¥	ਚ	ľ
٠,	J	١,	(~,	ι

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	ं तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	अड़भार प.ह.नं. 8	0.777	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कटारी माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/197.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजितक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा े	मालखरौदा	अड़भार प.ह .नं. 8	4.796	कार्यपालॅन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्रमांक 4 डभरा.	भागोडीह माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/198.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	औरदा प.ह.नं. 2	0.930	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कटारी माइनर/ब्रांच माइनर-8 नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/199.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला ं	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सोनादुला प.ह.नं. 2	1.101	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	कारीगांव माइनर कुरदा वितरक नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/200.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	_
अनस	चा
~ (1 / 1/	. ""

	મૃ	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बुंदेली प.ह.नं. 8	5.334	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	करारी माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/201.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं ;—

अनुसूची

. भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	औरदा प.ह.नं. 2	1.566	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	भागोडीह माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/202.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा [ँ] प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	दर्री प.ह.नं. 17	5.880	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	धुरकोट उप वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नवशा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/203. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कंवली प.ह.नं. 2	4.151	कार्यपालन यंत्री; मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	नवापारा उप शाखा वितरक नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/204.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल • (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	. सकरी प.ह.नं. 7	4.188	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	करारी माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/205.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोज न
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	ं के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन ,
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर–चांपा	मालखरौदा	पिकरी पा र प.ह.नं. 2	0.377	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	करारी माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/206.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उद्धार/नियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	रूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल . (हेक्टेयर में)	के द्वारा - प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगुर-चांपा	ਤਮ ਹ	सरायपाली प.ह.नं. 4	6.489	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	धुरकोट उपवितरक/रेडा माइनर कोमो माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन रुधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/207.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में तक्त थारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	/ 9	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांप:	मालखरौदा	कटारी प.ह.नं. 2	2.468	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा	कटारी माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/208.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दियं गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	त्हसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बरभाठा प.ह.नं. 16	2.283	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	वरभाठा सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/209.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	3	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	निमोही प.ह.नं. 1	2.768	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगे नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	सिधी तराई माइनर नि र्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/210.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उक्षेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9)	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बुकरेल प.ह.नं. 9	2.033	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता यांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	डुगार भाटा उप वितरक निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/211.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उक्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	भूमि का वर्णन			धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	छतीना प.ह.नं. 9	3.248	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	डुमार भाटा उप वितरक नहर निर्माण हेतु.

जांजगीर-चांपा, दिशंख ? अग्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/212.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूगि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनयम, 1934 जी धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन. इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उन्नेद्वित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा थी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू वहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसृची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की अपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहररील	नगर/ग्राम	लगभर भेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिवृत्त अधिकारी	फा वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	अमेराडीह ५ ह .चं. 4	0.747	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 4 उभरा.	अमेराडीह सब माइनर निर्माण हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेद परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिन:ंक 2 अप्रैल 2003

द्रामांक का भू-अर्जन/213.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा दरा आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	¥	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नग्र∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	· माल खरौदा	अमानदुसा	1.009	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगी नक्षर संभाग, क्र. 4, डभरा	अमान दु ला सब माइनर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/214.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूभि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता यहने की संभावना है. अद: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उन्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश रेता है कि उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	મૃ	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিলা	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हैक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	पिहरीद प.ह.नं. 4	5.247	कार्यपालून यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	अमेरा सब माइनर महर निर्माण हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/215.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पढ़ने को संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवस्थों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्यक्ति अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शिंक्यों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	, ų	्भि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	कटारी	0.756	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा	करीगांव माइनर/करदा वितरक निर्माण हेतु.

क्रमांक का भू-अर्जन/216.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूचों के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित स्थितत्त्रयों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में तक्ष्म धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपर्धा उसके संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपर्धा उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा मालखरौदा	करिगांव प.सं.नं. 5	3.376	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	करीगांव कुरदा वितरक निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक कं/भू-अर्जन/217.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1884 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	चन्देलाडीह प.ह.नं. 2	0.950	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा	करीगांव कुरदा वितरक निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/218.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सुलोनी प.ह.नं. 2	1.562	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कंद्रिगांव कुरदा वितरक निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/219.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उन्नेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
बिला	तहसील •	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	चंदेलाडीह प.ह.नं. 2	3.333	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	कप्रिगांच माइन√वितरक निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/220.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

			^
æ	₹	u	चा
•,	J	N	וד

	મુ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	. (6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	ढिमानी प.ह.नं. ७	1.777	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	भागोडीह माइनर निर्माण हेतुं.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

फ्रमांक क/भू-अर्जन/221.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा. अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	थौराभाठ प.ह.नं. 12	0.534	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	रेड़ा माइनर/1आर, 2 आर एवं आर सी एच नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/222.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

			2
अ	नर	पर	ग
٠,	· 3.	Ά.	41

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डॅभरा	ढेकुनाभाठा प.ह.नं. 4	1.469	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा. -	(1) खैरामुड़ा माइनर (2) गिरगिरा माइनर निर्माण हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/223.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	खरकेना प.ह.नं. 17	3.010	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो उप नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	गिरगिरा/ब्रांच माइनर 4 आर 1 आर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/224.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन	•	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	बसन्तपुर प.ह.नं. 10	1.051	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	खुरघुटी माइनर/खुरघुटी ब्रांच माइनर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/225.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕र्ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	चुरतेला प.ह.नं. 6	2.394	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	ब्रांच माइनर नं. 2 निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/226.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	े नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा • प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा •	उनगन प.ह.नं. 8	1.012	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	रतापाली सब डि. वाय निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/227.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संविधत व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत ⁽ अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	बसन्तपुर प.ह.नं. 10	1.298	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	डभरा माइनर 2 निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/228.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनस	चा
~,G,/	

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सिरियागढ़ प.ह.नं. 5	3.663	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	सिरियागढ़ माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/229.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (४)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	· (4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	तेन्दुमुड़ी प.ह.नं. 8	0.653	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	सुखापाली माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/230.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संवंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

^
अनसचा
~ '3'X ''

,	9	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	खोंधरः प.ह.नं. 8	1.551	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	टेलमाइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रपांक क/भू-अर्जन/231.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	भूमि का वर्णन			धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कांसा प.ह.नं. 6	5.333	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	कांसा माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/232. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	गिरगिरा प.ह.नं. 18	7.778	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	धुरकोट उप वितरक गिरगिरा माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/233.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	મૃ	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিলা	तहसील	नग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	• (6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	अड़भार प.ह.नं. 8	1.867	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4.	बड़े देवगांव माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/234.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दो जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उक्षेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	મૃ	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	आडील प.ह.नं. <i>7</i>	0.454	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	भागोडीह माइनर नहरं निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-वांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/235.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	अकोल तमोरा प.ह.नं. 4	6.029	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहरं संभाग, क्र. 4, डभरा.	धुरकोट वितरक नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/236.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूचों के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एडने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

^	
अनमन	į
~(, t, X,)	•

	મૃ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	़का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	नवापारा प.ह.नं. 12	1.942	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	नवापारा सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्तान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/237.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भृमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कोटमी प.ह.नं. 17	8.416	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	धुरकोट उप वितरक नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/238.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

_	_^
अनम	ना
A.1.1.4	्ना

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कोटमी प.ह.नं. 17	8.661	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	धुरकोट वितरक

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/239.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

			3	¢.''	
भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	बाघौव	12.474	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो	(1) गिरगीरा माइनर
		प.ह.नं. 17		नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	(2) 2 एल ब्रांच माइनर
					(3) 2 एल/1 आर ब्रांच
			•		माइनर.
					(4) 3 आर ब्रांच माइनर
			· ·		(5) 1 आर ब्रांच माइन नहर
					निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/240.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उष्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	पिहरीद प.ह.नं. 4	2.336	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	भुतहा ब्रांच सब मायनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/241.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उहेंखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	हभरा	रेडा प.ह.नं. 16	3.205	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4.	धुरकोट उप वितरक/रेड़ा माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/242.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

		_^
अ	नस	चा
٧,	. ヘ ヽス	71

	મૃ	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	- नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सिंघरा प.ह.नं. 11	3.723	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	फरसवानी माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/243.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार राभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वंर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	परसाडीह प.ह.नं. 11	0.943	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	फरसवानी माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/244.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौद	खेमड़ा प.इ.नं. 12	1.701	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	खेमड़ा माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा ज. सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

द्रामांक का/भू-अर्जन/245.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनयम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनयम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती हैं, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	. का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	देवरघटा प.ह.नं. 1	4.051	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	बड़े मुड़पार सब डी. वाय. नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/246.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू— अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू—अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उरस्की राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

ू भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बेल्हाभाठा प.ह.नं. 12	1.248	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कुनाईडीह माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हंसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगोर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/247.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तृहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सरियाडीह प.ह.नं. 5	2.123	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	बड़े मुड़पार माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/248.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	े के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	ओड़ेकेरा प.ह.नं. 9	2.246	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	धुरकोट वितरक/सिंघातराई माइनर√सराईपाली माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/249.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	. 9	रूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2).	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	तुंडरी प.ह.नं. 2	8.436	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र.4.	नवापारा उप साखा वितरक नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/250.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारों को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कंवली प.ह.नं. 2	8639	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	नवापारा उप शाखा वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/251.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	रूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कटौद प.ह.नं. 6	1.691	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	डायरेक्ट कटौद मायनर नं. 4

क्रमांक क/भू-अर्जन/252.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	9	पूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	चुरतेला प.ह.नं. 6	1.293	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	चुरतेली डायरेक्ट माइनर नं. 5 नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/253.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	. 1	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सपिया प.इ.नं. १	0.885	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 4, डभरा.	फगुरम डाइरेक्ट माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/254.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय को सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

		_^
अन	स	चा

	3	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर⁄ग्राम ≁	, लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	• का वर्णन 🖡
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	फरसवानी प.ह.नं. 6	0.435	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	सिघरा वितरक नहर ब्रांच खैरा माइनर ब्रांचे माइनर नं. 1

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/255.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	મુ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	फगुरम प.ह.नं. १	1.650	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	फगुरम माइनर नं. 2 नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/256.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला 🕈	तहसील	नगर/ग्राम,	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	फगुरम प.ह.नं. 9	0.489	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा	सिघरा वितरक नहर कुधरी माइनर नं. 2.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/257.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u>জিলা</u>	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी .	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	डभरा प.ह.नं. 10	1.221	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	नवापारा माइनर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/258.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निदंश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कटौद प.ह.नं. 6	3.328	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	सिंघरा वितरक नहर ब्रांच माइनर नं. 1.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/259.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्र∤ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	डभरा प.ह.नं. 10	0.549	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	खुरघटी माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/260.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जीती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्रधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, ठेक भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भृमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u> </u>	तहसील	नंगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1) ,	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	- मालखरौदा :	दलालपाली प.ह.नं. 11	2.339	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	दलालपाली माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/261.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	ų	्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदां	संपिया प.हं.नं. 9	0.449	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	सिघरा वितरक नहर फगुरम ब्रांच माइनर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/262.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की रुपधारा (2) द्वारा दे गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उन्ह अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) है। उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसुची

	9	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उंपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	् लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	टनगन प.इ.नं. 8	0.590	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर 'र्जभाग, क्र. 4 डभरा.	ब्रांच माइनर नं. 1 नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्सा (ग्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्थन/263.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियः की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उन्बंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	ूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिल <u>ा</u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-त्रांपा	डभरा	सुखापाती प.ह.नं. 8	1.213	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	कंवलाझर ब्रांच माइनर और सब माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/264.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	मुमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	· का वर्णन ·
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सुकदा प.ह.नं. 5	0.222	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	डायरेक्ट कटौत माइनर नं. 4 नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/265.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की घारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	4	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	ज़गभग क्षेत्रफल (हेब्स्थर मे)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जां जगीर-सांपा	डभरा	कौड़िया प.ह.नं. ७	0.850	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	खैरा ब्रांच माइनर ने. 1 नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/266.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उत्तर भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
. जिला	तइसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	रामभांटा प.ह.नं. 8	1.331	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	फरसवानी सब डी. वाय.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, सकी/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा संकृता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/267.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) हे (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :---

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपभारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	फरसवानी य.ह.नं. ७	2.320	कार्यपालन यंत्री, भिनीमाता बांगो 🐇 नहर संभाग, क्र. 4, उभरा.	फरसवानी सब डी. माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/268.—चूंकि राज्य शासन की यह प्रतीत होता े कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयाजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्वेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

· - · - · - · - · - ·	٩.
ಌನವಳ	T
अनसच	I
- ' ' ' ' ' ' '	۰

	•	भि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभग	अरसवानी प ह.नं. 7	0.805	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	अरसवानी माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन लाशकारी, इसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/269.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संयंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूभि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भृमि का दर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	रामभाटा च.इ.नं. ८	2.445	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता ्बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	ं रामभाटा माइनर नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/270.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	रामभाठा प.ह.नं. ८	3.745	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा	े टेल माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/271.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	उनगन प.ह.नं. 8	0.364	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	ब्रांच माइनर नं. 2 नहर निर्माण हेतु.

क्रमांक क/भू-अर्जन/272.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	_^
272	-
אויוע	141
	.

	, 1	र्मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सिंघरा प.ह.नं. 11	0.953	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगी नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	बड़े कोट माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/273.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	े के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	सुखापाली प.ह.नं. 8	0.613	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभार, क्र. 4, डभरा.	सुखापाली ब्रांच माइनर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/274.—चृंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	डभरा प.ह.नं.10	7.039	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता (हसदेव) बांगो, परियोजना, नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	-

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर--चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/275.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रगांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संवधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए ग्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	शेरो प.ह.नं. 10	4.053	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता वांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	सिघरा वितरक नहर

क्रमांक क/भू-अर्जन/276.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	. 1
अनम	ᅵ
- 1. L \	. "!!

	97	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्र∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बोड़ा सागर प.ह.नं. 10	2.526	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	सिंघरा वितरक नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जीजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/277.—चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपजन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

		रूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राभ	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	• डभरा	कटौद प.ह.नं. 8	3.251	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	सिंघरा वितरक नहर ब्रांच माइनर नं. 1 आफ कोसा मायनर.

क्रमांक क/भू-अर्जन/278. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

		_^
अर्	ા્ય	चा

	પૃ	मि का वर्णन		, धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	टाटा प.ह.नं. ९	1.199	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4.	कुरदा वितरक नहर निर्माण हेतु. (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/279.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उझेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	મૃ	मि का वर्णन		धारा ४ की ं उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी.	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरीदा	बीरभाठा प.ह.नं. 5	0.274	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	कुरदा वितरक नहर निर्माण हेतु (पूरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/280.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती हैं, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (3) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

_		
्य	नस	ū
٧ı	γ_{N}	(7)

	મૃ	मि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्र∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	कलमी प.ह.नं. 5	1.632	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कुरदा वितरक नहर निर्माण हेतु (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/281.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	મૃ	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्∨ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालख्रौदा	छतौना प.ह.नं. १	0.784	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	कुरदा वितरक नहर निर्माण. हेतु (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/282.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपवन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उक्षेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	् का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	बड़े सीपत प.ह.नं. 4	0.629	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4 डभरा	कुरदा वितरक नहर निर्माण हेतु (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/283.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नग्रग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	पोता प.ह.नं. 6	4.309	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्रमांक 4.	कुरदा वितरक नहर निर्माण हेतु (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

क्रमांक क/भू-अर्जन/284.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पढ़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इंसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

		0
अस	स	चा
٠,٦	٠,	`'''

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर भें)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	छोटे सीपत प.ह.नं. 5	2.546	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगी नहर संभाग, क्र. 4 डभरा.	कुरदा वितरक नहर निर्माण हेतु (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन'285.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम को धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागु होते हैं :—

अनुसूची

	1	मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	खरताल प.ह.नं. १	1.551	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्रमांक-4.	कुरदा वितरक नहर निर्माण हेतु (पूरक).

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगसढ् के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, मनोज कुमार पिंयुआ, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

क्रमांक क/भू-अर्जन/172.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	. 9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जांजगीर-चांपा	सक्ती	चमरवाह	2.740	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 5 खरसिया.	खरसिया शाखा नहर.	

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 1 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/414. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	तुंडरी	11.840	कार्यपालन यंत्री	नवापारा उपशाखा वितरिक.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/415.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	_^
अनस	चा
. 0. 0	

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	सिंघरा प.ह.नं. 11	1.798	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4.	बड़े मुड़पार सब. डि. वाय

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/416. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	्र का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	मालखरौदा	छोटे कोट प.ह.नं.11	0.800	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4.	बड़े मुड़पार सब डि. वाय.

भूमि का नक्शा.(प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/417.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू- अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उस्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

. 23	aI.	rai
~1	112	14

	•	भूमि का वर्णन	धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन	
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	कवारीपाली	8.493	कार्यपालन यंत्री,	रेडा माइनर, 2 आर. ब्रांच माइनर. 3. एक ब्रांच माइनर 4. आर. ब्रांच माइनर. 5. आर. ब्रांच माइनर्

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन 🕡		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	धौराभांठा प.ह.नं. 12	2.080	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	रेड़ा माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एम. आर. सारथी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़ छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 23 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 06/अ-82/सन् 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	रायगढ़	पनझर प.ह.नं. 5 रा. नि. मं. किरोड़ीमल नगर	1.793	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, रायगढ़.	रानीगुड़ा माइनर के सब माइनर के लिये भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 23 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 07/अ-82/सन् 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते हैं :—

अनुसूची

	4	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	रायगढ्	बरदापुटी प.ह.नं. 7 रा. नि. मं. किरोड़ीमल नगर	ọ. 5 0	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, रायगढ़.	गोपालपुर वितरक नहर कांटा- हरदी माइनर हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व),रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 23 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 08/अ-82/सन् 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती हैं. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते है :—

अनुसूची

	3	रूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	रायगढ्	कुलबा प.ह.नं. 7 रा. नि. मं. किरोड़ीमल नगर	0.62	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, रायगढ़.	गोपालपुर वितरक नहर बिलाईगढ़ माइनर हेतु भू–अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 23 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 09/अ-82/सन् 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते है :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ्	रायगढ़	नवागांव प.ह.नं. ७ रा. नि. मं. किरोड़ीमल नगर	1.53	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, रायगढ़.	गोपालपुर वितरक नहर बसंतपुर माइनर हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 23 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 10/अ-82/सन् 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते है :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	्र का व र्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	रायगढ्	बसंतपुर प.ह.नं. ७ रा. नि. मं. किरोडीमल नगर	0.09	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, रायगढ़.	गोपालपुर वितरक नहर बसंतपुर माइनर निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 23 अप्रैल 2003

भू-अर्जंन प्रकरण क्रमांक 11/अ-82/सन् 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	रायगढ़	सहसपुरी प.ह.नं. 7 रा. नि. मं. करोडोमल नगर	2.61	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, रायगढ़	गोपालपुर वितरक नहर सहसपुरी माइनर हेतु भू–अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागाय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 16 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 4/अ-82/सन् 2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यंह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करते है :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	घरघोडा	सलिहाभांठा प.इ.नं. 32 रा. नि. मं. तमनार	1.773	सचिव, कृषि उपज मंडी समिति घरघोड़ा, जिला–रायगढ़.	तमनार उप मंडी प्रांगण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), घरघोड़ा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 3 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 4/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उछ्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	परसकोल प.ह.नं. 7	2.434	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, खरसिया.	टर्न की पद्धित से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

् भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 5/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	औरदा प.ह.नं. 9	4.011	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 3 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 6/अ-82/2002-03. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	3	रूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	तुरेकेला प.ह.नं. 9	3.067	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरिसया	टर्न की पद्धित से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 7/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता एड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	ુ મુ	मि का वर्णन	_	धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	. का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	उल्दा प.ह.नं. 8	1.599	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया	टर्न की पद्धित से खरिसया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरिसया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 3 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 8/अ-82/2002-03. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	9	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
জিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	पलगढ़ा •प.ह.नं. 8	1.329	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नज्ञ्ह्या (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 9/अ-82/2002-03. —चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

		- 0
अ	cr:	ਚ
٠,	71	יד

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लंगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ्	खरसिया	बरगढ़ प.ह.नं. 8	0.652	कार्यप्रस्पन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया ज्ञाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्सा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायंगद्, दिनांक 3 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 10/अ-82/2002-03. —चूंिक राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की घारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	लोधिया	0.303	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं. लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 11/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पृड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खासिया	भोतल्दा	1.091	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न को पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 3 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 12/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उझेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरिसया	टुसेके ला	4.197	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं. लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 13/अ-82/2002-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में विर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं:—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				थारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्रामं	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	कुनकुनी	1.085	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धित से खरिसया शाखा नहरं के वितरण एवं लघु नहरं हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 30 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 85/अ-82/2002-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	तेलीकोट प. ह. नं. 11	1.830	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरिसया.	टर्न की पद्धित से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं. लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 30 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 86/अ-82/2002-03. —चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

		_
अन	स	चा
	٠.	

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	. नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	आड़ाझर प. ह. नं. 12	2.487	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 30 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 87/अ-82/2002-03. — चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	बोतल्दा प. ह. नं. ७	1.424	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं. लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू–अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 30 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 88/अ-82/2002-03.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

	2
अनुस	चा

भूमि का वर्णन				धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	सरवानी प. ह. नं. 8	0.207	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धित से खरसिया 'शाखा नहर के वितर [ः] एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 30 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमोंक 89/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपवंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

		भूमि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	सहसील	नगर⁄ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	बाम्हनपाली प. ह. नं. 11	5.057	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धित से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं. लघु नहर हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरिसया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 30 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 90/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजिनक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	ंखरसिया	सूती प. ह. नं. 7	5.818	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरिसया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 30 अप्रैल 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 91/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शिक्तयों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ्	खरसिया	रजघटा प. ह. नं. 13	3.556	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं. लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कवर्धा छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

कवर्धा, दिनांक 17 अप्रैल 2003

क्रमांक 137/अ-82/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कवर्धा	पंडरिया	नवागांवकला	0.94	कार्यपालन यंत्री, परियोजना क्रियान्वयन, इकाई (प्र.मं.ग्रा.स.यो.) कथर्था.	प्र.मं.ग्रा.स. यो. मेन रोड से भलपहरी सड़क सार्वजनिक प्रयोजनार्थ.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पंडरिया के कार्यांलय में देखा जा सकता है.

कवर्धा, दिनांक 17 अप्रैल 2003

क्रमांक 139/अ-82/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उद्घेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	•	भूमि का वर्णन		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
সিলা	तहसील	नगर∕ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कवर्धा	पंडरिया	पांडातराई	3.82	कार्यपालन यंत्री, परियोजना क्रियान्वयन, इकाई (प्र.मं.ग्रा.स.यो.) कवर्धा.	प्र.मं.ग्रा.स. यो. (पांडातराई से मड़मड़ा) सड़क सार्वजनिक प्रयोजनार्थ.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पंडरिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

कवर्धा, दिनांक 17 अप्रैल 2003

क्रमांक 141/अ-82/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
्कवर्धा	पंडरिया	दशरंगपुर	1.45	कार्यपालन यंत्री, परियोजना क्रियान्वयन, इकाई (प्र.मं.ग्रा.स.यो.) कवर्धा.	प्र.मं.ग्रा.स. यो. मेन रोड से पलानसरी सड़क निर्माण सार्वजनिक प्रयोजनार्थ.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पंडरिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

कवर्धा, दिनांक 17 अप्रैल 2003

क्रमांक 135/अ-82./भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:—

अनुसूची

	9	र्मि का वर्णन		धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कवर्धा	पंडरिया	चरखुरा	2.39	कार्यपालन यंत्री, परियोजना क्रियान्वयन, इकाई (प्र.मं.ग्रा.स.यो.) कवर्धा.	प्र.मं.ग्रा.स. यो. मेन रोड से भलपहरी सड़क सार्वजनिक प्रयोजनार्थ.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पंडरिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एम. व्ही. सुख्या रेड्डी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ एवं पदेन अतिरिक्त सिचव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

दुर्ग, दिनांक 10 अप्रैल 2003

क्रमांक 551/ले. पा./2003/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	भूमि का वर्णन			धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
<u>जिला</u>	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड् में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दुर्ग	गुण्डरदेही [ं]	माहुद प. ह. नं. 84/5	3.00	कार्यपालन यंत्री, खरखरा मोंहदीपाट परियोजना संभाग, दुर्ग.	खरखरा मोंहदीपाट परियो. के माहुद लघु नहर क्र. 2 के निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन, मुख्यालय-दुर्ग के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, आई. सी. पी. केशरी, कलेक्टर एवं पदेन अतिरिक्त सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

सरगुजा, दिनांक 26 अप्रैल 2003

क्रमांक 885/भू-अर्जन/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

	9	पूमि का वर्णन 🕙		धारा ४ की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जিলা	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सरगुजा	सामरी	रेहड़ा	1.776	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग क्रमांक-2, अंबिकापुर.	चन्द्रनगर जलाशय योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एस. के. राजू, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कोरिया, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

बैकुण्ठपुर, दिनांक ६ फरवरी 2003

क्रमांक 2/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सात सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-कोरिया
 - (ख) तहसील-बैकुण्ठपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-नगर
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.48 हेक्टेयर

;	खसरा नम्बर	रकबा
		(हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	939	0.10
	966	0.14
	174	0.50
	173	0.74
योग		1.48
		ग्राम स्टगा
	2	0.17
•	9	0.4
योग		0.21

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है- रटगा तालाब निर्माण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, बैकुण्ठपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

बैकुण्ठपुर, दिनांक 6 फरवरी 2003

क्रमांक 4/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सात सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-कोरिया
 - (ख) तहसील-बैकुण्ठपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-चोपन, प. ह. नं. 12
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-6.06 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
	4
175	0.00
173	0.08
208	0.35
	0.72
176	0.30
207	1.17
178/1	0.19
178/4	0.22
183/1	0.13
198/1	0.10
178/2	0.14
178/5	0.24
183/2	0.13
198/2	0.12
178/3	0.20
178/6	0.17
183/3	0.13
182	0.60
184	0.17
185	0.06
200	, 0.13
203	0.02
204	0.17
209	0.16
207	0.10

	(1)	(2)
	205	0.36
योग		6.06

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है- चोपन तालाब निर्माण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, बैकुण्ठपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

बैकुण्ठपुर, दिनांक 6 फरवरी 2003

क्रमांक 6/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सात सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-कोरिया
 - (ख) तहसील-बैकुण्टपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-कोट, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.04 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
204	0.47
216	0.58
205	. 1.99
योग	3.04
۹۱۰۱	5.04

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है- मुड़ीझिरिया तालाब निर्माण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, बैकुण्ठपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

बैकुण्ठपुर, दिनांक 6 फरवरी 2003

क्रमांक 8/भू-अर्जन/2003. —चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सात सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-कोरिया
 - (ख) तहसील-बैकुण्ठपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-कंचनपुर, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.980 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
(.,	1
296/1	0.035
296/2	0.035
269	0.152
332/4	0.020
332/3	0.020
302/2	0.008
221/2	0.049
303	0.016
216	0.010
254/4	0.014
254/14	0.010
254/17	0.092
254/22	0,018
254/29	0.008
254/33	0.030
215	0.010
253/2	0.057
246	0.017
247	0.013
297/2	0.072
248	0.023
292	0.061
298	0.173
333/1	0.037
17	0.980

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है- कंचनपुर माइनर नहर निर्माण हेतु.

योग

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, बेंकुण्ठपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

> छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विकास शील, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

खरसिया, दिनांक 7 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 23/अ-32/2002-03. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायगढ्
 - (ख) तहसील-खरसिया
 - (ग) नगर/ग्राम-उल्दा
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.854 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
240/1	0.028
242/1	0.113
242/3	0.004
243/3	0.077
248/3	
231	0.073
226	0.032
252/2	0.049
253/2	0.069
253/5	0.073
253/1	0.077
253/4	0.109
225/4	0.053

	(1)	(2)
	223 224	0.097
योग	13	0.854

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है- टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 7 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 27/अ-82/2002-03. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके छ्लरा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-रायगढ़
 - (ख) तहसील-खरिसया
 - (ग) नगर/ग्राम-गिधा
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.348 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकवा (हेक्टेयर में) (2)
108/1	0.016
109/1	0.036
109/3	0.012
123/2	0.122

1042	छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक	16 मई 2003	[भाग
(1)	(2)	(1)	(2)
124	0.162		
योग	0.348	328/1	0.049
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है- टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.		329/1	0.049
(३) भ्रमि का नक्शा (प्लान) व	_ज िनरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी	331	0.061
(राजस्व), खरसिया के का	र्यालय में देखा जा सकता है.	331/1	0.089
भ अनीन सकाम क्यांक व	क 7 मई 2003 28/अ-82/2002-03.—चूंकि राज्य	334	0.061
शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894		237	0.320
(क्रमांक एम सन् 1984)की ध यह घोषित किया जाता है वि	. अत: भू ज्यान जाना मा है । रात ६ के अन्तर्गत इसके द्वारा ह उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के	250/2	0.567
लिए आवश्यकता है :	गु सूची	252/2	0.211
(1) भूमि का वर्णन-		253/2	0.134
(क) जिला-रायगढ़ (ख) तहसील-खरसिया (ग) नगर∕ग्राम-मैनापारा		295/1, 2	0.113
(घ) लगभग क्षेत्रफल	1-2./51 ह <i>वटर</i>	295/3, 4	
खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)	342/2	0.032
()		. 341/2	0.008
229	0.081	348	0.206
231/2	0.093		
236/1	0.130	349	0.040
245/1 245/2	0.073 0.012	350	0.134
310/1	0.093	251	0.061
		231	

0.061

251

प्र. क्र. 3/अ-82/2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 संशोधित अधिनियम
(क्रमांक एक सन् 1984)को धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा
यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की प्रयोजन के लिए
आवश्यकता है :

विभागं

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन

भाग 1]

योग

(1)

352

23

- (क) जिला-बिलासपुर
- (ख) तहसील-लोरमो
- (ग) नगर/ग्राम-परसवारा
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-11.157 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा (२-२ २)
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
84/1	0.040
84/2	0.040
9/2	0.040

71/4	0.00-
91/3	•
92/1	0.032
101/1	0.182
109/1	0.421
93/2	0.121
97	0.032
96/1	1.214
96/3	1.214
96/5	1.113
96/6	1.113
96/10	1.218
96/9	0.809
98	0.469
99/2	0.109
100/1	0.243
105	0.166
100/2	0.142
100/3	0.040
104/1	0.129
106/2	0.405
104/2	0.073
104/3	0.202
104/4	0.004
106/1	0.048
107/1	0.061
108	0.113
109/2	0.170
110	0.251
111	0.081
107/2	0.048
113	0.291
9/1	0.121
	11.157

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है- भरतसागर जलाशय के लिये.

योग

(3) भूमि का नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), लोरमी के कार्यालय में किया जा सकता है.

विलासपुर, दिनांक 5 मई 2003

प्र. क्र. 4/अ-82/2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है, अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1994 संशोधित अधिनियम (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-बिलासपुर
 - (ख) तहसील-लोरमी
 - (ग) नगर/ग्राम-ढोलगी
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.356 हेक्टेयर

,	खसरा नम्बर	रकवा (हेक्टेयर भें)
	(1)	(2)
	2/7	3.267
	8	0.089
योग	2	3.356

- (2) सार्वजिनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है- भरतसागर जलाशय के लिये.
- (3) भूमि का नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), लोरमी के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, आर. पी. मंडल, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

जांजगोर-चाम्पा, दिनांक 5 मई 2003

क्र. 576/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि को अनुसूची के पद (2) में उक्षेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-सक्ती
 - (ग) नगर/ग्राम-आमापाली, प. ह. क्र. 4
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.679 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकवा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
2/2	0.053
200	0.008
34	0.020
197	0.089
36	0.053
191	. 0.008
37	0.045
267	0.004
266	0.065
198/1	0.008
39/1	0.012
39/2	0.016
198/2	0.024
40	0.012
41	0.028
199	0.012
196/1	0.065
196/2	
192	0.069
193/1	0.024
193/2	
184	0.024
186	0.004
182/3	0.036

योग	0.679

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है~ अंजोरीपाली माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा,	दिनांक 8 मई 2003	(1)	(2)
क्र. 645/सा-1/सात.—चूंकि	राज्य शासन को इस वात का समाधान	_ 390/2	0.105
हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की		402	0.048
अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए		404/3	0.016
	न अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन्	405/1	0.056
	नियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत	495	0.048
इसक द्वारा यह घाषित किं प्रयोजन के लिए आवश्यकता	ग जाता है कि उक्त भूमि की उक्त	494	0.036
त्रवाणव काराए आवस्यकता	e :—	478/2	0.056
TC.		• 478/1 দ্ৰ	0.081
স	नुसूची	478/1 क	0.081
		463/1	0.105
(1) भूमि का वर्णन-		463/3	0.020
(क) जिला-जांजगीर	·	463/2	0.004
(ख) तहसील-जैजैपु	•	468	0.008
. (ग) नगर/ग्राम-मुक्ता		467/1 }	0.089
(घ) लगभग क्षेत्रफल	1-3.640 हेक्टेयर	467/2	0.007
		464/2	0.016
खसरा नम्बर	रकबा	464/1	0.016
(4)	(हेक्टेयर में)	465	0.060
(1)	(2)	1558	0.008
, A7 (a		1557	0.077
627/1	0.068	1341/1-2	0.073
627/2	0.121	1314	0.020
• 542	0.012	1313	0.012
115	0.044	1312	0.016
118/1 116		1311	0.032
118/3	0.092	1315/1	0.053
120	0.061	1351/2	0.028
114	0.048	1340/2	0.016
526/1	0.032	1342/1	0.020
525/3	0.032	1342/2	0.016
525/2	0.016	1340/1	0.012
525/1	0.020	1342/3	0.012
523	0.020	1361	0.004
524	0.080	1367	0.008
137/2	0.028	1359/1	0.040
522/1	0.032	1359/2	0.040
119	0.036	1369	0.008
386/3	0.157	1358	0.024
393	0.004	1371	0.024
392	0.060	1372	0.061
390/1	4.004	1398	0.004
389	0.065	1373	0.064

योग

(1)	(2)	`अनु	, सूची
1397	0.133	(1) भूमि का वर्णन-	
1396/2	0.008	(क) जिला–जांजगीर-	-चांपा (छत्तीसगढ)
1395/2	0.056	(ख) तहसील-जैजैपुर	
1395/3	•	(ग) नगर/ग्राम-परसा	
1550	0.004	(घ) लगभग क्षेत्रफल	
1551	0.012		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
1548	0.068	खसरा नम्बर	रक्रबा
1549/1			(हेक्टेयर में)
1549/2		(1)	(2)
1556	0.028		ν-/
1544	0.056	523	0.112
1568	0.048	459/1	1 0.026
1570	0.044	524	0.101
1573	0.012	462	0.057
1572	0.040	536/3	0.057
1576/1	0.032	536/1	0.133
1576/2	0.004	461	0.097
1545	0.045	460/9	0.049 0.008
1543	0.064	460/10 536/4	0.109
	0.077	536/1	0.109
1561		543	0.008
1566	0.061	544	
544	0.133	536/5	0.109
406	0.061	434/2-3	0.145
	3.640	योग	1.120

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-मुक्ता सब डिस्ट्री.ब्यूटरी नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 646/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उछेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-परसाडीह सब माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 647/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

•	•		
` अन्	, सूची	(1)	(2)
(1) भूमि का वर्णन-		67/5	0.036
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)		67/2	0.040
(ख) तहसील-जैजैपुर		78/4, 5	0.020
(ग) नगर⁄ग्राम-भनेतर		78/6	0.020 .
(घ) लगभग क्षेत्रफल-	-3.218 हेक्टेयर	78/1 ,	0.049
()	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	78/2	0.045
खसरा नम्बर	रकबा	79	0.016
	(हेक्टेयर में)		•
(1)	(2)	योग	1.724
374/1	0.069	भनेतरा ब्रांच माइनर 3 डी. एल.	
375	0.008		
374/2, 3	0.093	373/2	0.012
373/2	0.061	33/2	0.024
373/1	0.016	32	0.032
373/3	0.077	_ 33/1	0.028
362/2	0.121	34	0.081
362/1	0.105	28	0.016
360/1	0.085	27/1	0.008
360/3	0.093	17/2 .	0.032
359	0.049	17/1	0.032
358 ·	0.020	16/2	0.057
356	0.061	07	. 0.065
354/4	0.049	5/3	. 0.008
266/4	0.040	5/2	0.154
266/1, 2, 3	0.040	373/3	0.008
259	0.032		·
68/1	0.012	योग	0.557
258	0.040		
68/2	0.016	·	न. आर. डी. 00 मी. से 380 मी.
69/1	0.016	7	क
257/2	0.032		
69/2	0.020	· 94	0.040
70, 90/5	0.129	. 95	0.040
256/2	0.012	227	0.020
91	0.024	157/1, 6	0.024
90/3	0.012	221, 159	0.053
90/1	0.008	222	
92	0.077	220	0.024
86/2	0.057	219/3	0.036
88/1	0.024	218/1, 2	0.045
		217	0.161

(1)	(2)
167, 169/1	0.020
172/1, 2	0.016
205, 206	0.048
185/1, 2	0.053
186	0.036
187	0.165
188/3 ,	0.032
• 92	0.048
223/1	0.036
223/2	0.020
226/1, 2	0.016
189/1	0.004
योग	0.937
कुल योग	3.218

- (2) सार्वजिनक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-भनेतरा माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 648/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - _ (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-जैजैपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-जर्वे, प. ह. नं. 26
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.684 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में
(1)	(2)
679/2, 680/2	0.012
299/1	0.016
691/1	0.040
39	0.008
151/1	0.016
147/1 ·	0.012
244/2	0.024
237/2, 237/9	0.020
615	0.016
22/3	0.008
40/1, 2	0.024
152/2	0.016
237/4	0.016
254	0.024
237/5	0.004
147/3	0.004
149	0.061
25	0.070
138	0.040
299/2	0.045
689	0.040
297/1	0.028
22/2, 24	0.024
685/1, 2	0.040
246/1	0.020
251	0.040
29	0.004
253	0.004
687, 688	0.004
147/2	0.004
योग	0.684

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-परसाडीह वितरक शाखा पूरक नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू–अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 649/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्तं प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-सकी
 - (ग) नगर/ग्राम-नवापारा खुर्द, प. ह. क्र. 5
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.833 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकेबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
860	0.057
862/1	0.144
861	0.057
874	0.045
873	0.012
870/1	0.109
871/2	
870/3	
869/1	0.332
869/2	
869/3	
869/4	
869/5	
869/6	
869/7	
869/8	
869/9	
869/10	
869/11	
869/12	_
849/13	-
869/14	

	(1)	(2)
	888	0.077
योग		0.833

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-डोगिया माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 650/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-जैजैपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-हरेठीकला, प. इ. क्र. 22
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-6.984 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)

हरेठीकला माइनर नम्बर-1 नहर निर्माण हेत्

1/3	0.069
1/1, 2	0.089
2/2	0.004
4/1	0.109
4/2	0.073
5/1	0.069
5/2	0.069

(1)	(2)	(1)	(2)
36/3, 37	0.020	308	0.004
36/2	0.012	605/1	0.045
2011/1	0.069	605/3	0.053
40/2	0.101	604/4	0.049
60	0.061	604/2	0.012
61	0.081	604/1	0.057
70	0.012	650	0.024
71	0.008	651/2, 3	0.012
69	0.012	652, 654, 311/7	0.053
72	0.012	653	0.024
67, 68	0.061	656	0.028
. 66	0.049	657, 311/5	0.057
106	0.174	658, 311/4	0.053
105	0.073	660	0.012
104	0.089	659/2	0.069
121	0.032	659/3	0.016
122	0.089	659/4	0.032
·· 145	0.121	661/2	0.032
146	. 0.012	661/3	0.012
143, 144	0.081	713, 718	0.016
176	0.073	7 17	0.004
178/2	0.093	719	0.032
179/1	0.004	720	0.004
180/1	0.117	723	0.036
180/2	0.125	725	0.004
205/1	0.089	722	0.004
205/4	0.069	724	0.004
205/2	0.065	731	0.004
256	0.036	732	0.024
255/3	0.032	730	0.057
254/1	0.182	739	0.004
253/2	0.016	740	0.174
271, 272	0.053	770/3	0.069
270	0.036	769/3	0.008
268	0.028	769/2	0.089
265/2, 268/2	0.036	769/1	0.004
265/1	0.028	839	0.073
264/1	0.032	840	0.032
305/2	0.032	844, 845, 846, 847	0.109
306	0.053	- 850/2	0.008
307	0.061		

भाग 1]	छत्तीसगढ़ राजपत्र	ा, दिनांक 16 मई 2003	
(1)	(2)	(1)	(2)
843/2	0.028	1360/2	0.077
917, 918	0.073	1360/1	0.024
916	0.073	1359	0.016
915	0.069	. 1361	0.036
योग	4.558	1358	0.077
हरेठीकला बैच माइन	नर-32 नहर निर्माण हेतु	1357	0.020
254/2	0.069	1354, 1355	0.069
263	0.004	1352, 1353	0.069
262	0.121	1509/3	0.053
594/9	0.024	1509/1	0.061
594/4	0.061	1508	0.004
594/3	0.129	1507	0.040
1270/2	0.020	1510/2	0.020
1281	0.117	1506	0.040
1280/2	0.053	48-50-10	
	•	1557/1	0.081

0.004

0.065

0.097

0.065

1555/1

1556

1571, 1572

0.016 -

0.032

0.077

1282/2

1279

1287, 1288, 1289, 1290

1366

1051

(1)	(2)
1570/2	0.045
1570/3	0.065
1570/1	800.0
1567	0.004
1569/1	0.012
1581	0.036
1582	0.028
1583/1	0.049
1612/3, 4	0.069
1613/1	0.077
1615	0.085
1619/3	0.004
1616	0.069
1657	0.032
1656/2	0.024
312/1	0.028
योग	2.276
485	0.049
481	0.028
484/2	0.073
योग	0.150
महायोग	6.984

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-हरेडोकला माइनर 1-2 बैच माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूनि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 8 मई 2003

क्र. 651/सा-1/सात. — चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-सकी
 - (ग) नगर/ग्राम-परसदाखुर्द, प. ह. नं. 7
 - (घ) लगगग क्षेत्रफल-0.275 हे.

खसरा	नम्बर	रकबा
		(हेक्टेयर में)
(1	1)	(2)
356	8/2	0.012
360	0/9	0.024
359	9/2	0.057
360	0/8	0.024
360	/10	0.049
359	9/1	0.020
365	5/1	0.061
365	5/2	0.028
योग		0.275

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है-हरदा माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

내네 1]	छत्तासगढ् राज्यन,	ार्याक १६ मर, २००५	1053
नाजगीर-चांपा, दि	नांक 30 अप्रैल 2003	(1)	(2)
•		71/1	0.134
क्रमांक 388/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन		272/1	0.085
		371/1	0.053
	तः भू-अर्जन अधिनियम, 1894	56/4	0.04
	त भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की	56/1	0.149
	पह घोषित किया जाता है कि उक्त	67/3	0.096
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	अावश्यकता है :—	69/14	0.048
अन	<u>रु</u> सूची	69/11	0.048
	3 4 .	. 70	0.121
(1) भूमि का वर्णन-	•	79/d	0.036
(क) जिला-जांजगीर-च		76/18	0.056
(ख) तहसील-मालखरी		76/24	0.073
(ग) नगर/ग्राम-मुक्ता (य) लगभग क्षेत्रफल-	ठाकुर, प. इ. नं. 5 4 004 हे	71/27	0.018
(प) छन्नम राम्भछन्	4.704 Q.	71/2	0.093
खसरा नम्बर	रकबा	97	0.008
	(हेक्टेयर में)	. 267/2	0.014
(1)	(2)	77/1	0.069
3/2	0.028		
3/3	0.044	77/2	0.162
4/1	0.135 ,	371/3	0.085 .
3/6	0.044	372/2	0.19
3/7	0.016	76/15	0.178
3/8	0.032	264/1	0.186
3/1	0.9	269	0.0181
34/2	0.052	267/4	0.15
33/1	0.084	267/1	0.456
33/2	0.012	384/21	0.084
29/2	0.084	384/4	0.046
67/1	0.088	384/10	0.093
29/3	0.12	382/1	0.061
40,/6	0.058	388/1	0.008
40/4	0.044	386/7	0.101
40/1	0.192	388/3	0.049
44/3	0.194	386/8	0.044
43/2	0.044	योग	4.908
267/3 44/2	0.032		
	0.098	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लि	ए आवश्यकता है-मुक्ता माइनर
43/1 42/2	0.076		
	0.157	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) व हसदेव परियोजना जांजगीः	का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी
57/1	0.156	हसदव पारयाजना जाजगाः है.	८ क कायालय म ।कया जा सकत
71/1	0.14	**	

1054	छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 16 मई, 2003		[भग ।
जांजगीर-चांपा, दिनां	क 30 अप्रैल 2003	(1)	(2)
		1210	0.016
	ा.—चूंकि राज्य शासन को इस	1400/2	0.113 .
बात का समाधान हो गया है कि न	चि वी गई अनुसूची के पद (1)	1399/2	0.04
में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में के लिए आवश्यकता है. अतः भू-उ	न् उल्लाखत सावजानक प्रयाजन वर्चन व्यक्षितमाम् १९७४ (क्रमोक	1399/1	0.06
क लिए आवश्यकता है, अतः मू-५ 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन	अधिनियम, 1984 की धारा 6 के	945/5	0.089
अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित वि	hया जाता है कि उक्त भूमि की	945/11	0.028
उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकत		1016/2	0.073
		1398/2	0.004
अनुस्	् ची	959/3	0.073
		1026/2	0.008
(1) भूमि का वर्णन-	·	1029/2	0.012
(क) जिला-जांजगीर-चांप (ख) तहसील-मालखरौदा		1426/2	0.162
(ख) तहसील-मालखरीदा (ग) नगर/ग्राम-पिरदा, ^ए		1425/2	0.089
(घ) लगभग क्षेत्रफल-5.3		1424/2	0.105
		1420/1	0.065
खसरा नम्बर	रकवा ं	1418/1	0.085
4.2	(हेक्टेयर में) (2)	1012	0.057
(1)	0.078	934/2	0.04
776			0.06
788/2	0.138	1416/1	0.097
786/1	0.065	1415/1	0.113
786/2	0.057	1209/1	0.04
785/1	0.089	1233	0.15
785/2		1211/2	0.113
1011	0.134	1212	0.057
784/1	0.109	1213/2	0.069
1426/3	0.004	959/4	
1015/3	0.142	1206/1	0.081
784/8	0.081	1214/2	0.045
784/11	0.125	1214/1	0.061
784/10	0.146	1206/2	0.063
784/13	0.17	936	0.045
1315/13	0.125	937/3	0.181
1315/15	0.13	934/1	0.109 0.081
1315/19	0.0273	946/6	0.069
1314/3	0.043	1013 945/1	0.081
1314/2	0.057	945/1 945/2	0.097
1313	0.105	945/10	0.02
1028	0.012	945/3	0.105
1311/3	0.057	945/4	0.053
1311/7	0.146	1010/1	0.069
1310	0.053	1016/3	0.073

माग []	छत्तासगढ राजपत्र, ाव 	4 11 10 TR, 2003	10:
(1)	(2)	(1)	(2)
1016/4	0.093	133/3	0.057
1030	0.101	130	0.016
1426/1	0.02	133 में से	0.020
गोग	5.304	132/2	0.004
<u> </u>		137/3	0.057
 सार्वजनिक प्रयोजन के लिए मायनर. 	आवश्यकता ह—भातमाहुल	134/1	0.068
119410,		133/4	0.044
3) भूमि का नक्शा (प्लान) का नि	रीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	136/1	0.121
हसदेव परियोजना जांजगीर के व		131/3	0.020
है.		131/2	0.032
		131	0.016
जांजगीर-चोपा, दिनांक :	30 अप्रैल 2003	131/5	0.020
क्यांक 200 /स्त _{र 1} /स्तर	-चूंकि राज्य शासन को इस	131/8	. 0.072
भागा ३५०/ सा १७ सात.— ात का समाधान हो गया है कि नीचे		131/10	0.053
' वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उर		131/9	0.032
ि लिए आवश्यकता है. अतः भू	-अर्जन अधिनियम, 1894	131/11	0.028
क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-उ		131/8	0.020
ारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोर्रि एवर्डी करा प्रयोगन के रिफ अफ्ल		131/7	0.028
मि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्	ଏ୩ ଣା 	117	0,020
अनुसूनी		119	
9 %		118/1	0.040
।) भूमि का वर्णन-		97/1	
(क) ज़िला-जांजगीर-चांपा (ह	उत्तीसगढ)	97/2	0.089
(ख) तहसील-मालखरौदा		260	0.194
(ग) नगर/ग्राम-बड़े पाडर मुत (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.189 है	•	415/2	0.060
(प) लगमग पानमल-3.189 ह	2.	270	
खसरा नम्बर	रक्षा	. 268	0.187
	(हेक्टेयर में)	269	
(1)	(2)	288	0.612
4/3	0.004.	287/6	0.060
29	0.129	286	0.060
267/2	0.113	281/3	0.045
28/7	0.150	428/9	0.045
49/1 वर्ष	0.068	428/1	0.028
28/8	0.020	278/1	0,112
282/1	0.045	278/2	0,112 0.012
283	0.004	378/1	0.012
26	0.097	378/3	
49/1 ख	_, 0.057		0.032
49/3	0.064	378/2	0.045
133/1	0.040	378/11	0.020
		378/4	0.044

056	छत्तीसगढ राजपत्र, '	दिनांक 16 मई, 2003	[भाग
(1)	(2)	(1)	(2)
422/2	0.044	101	0.121
422/1	0.032	102	
423/1	0.020	104/3	0.194
424/2	0.004	128/2	0.008
428/2	0.048	128/3	0.085
428/5	0.028	126	0.105
417	0.060	125/1	0.105
428/3	0.040	187/3	0.226
428	0.045	256	0.065
428/4	0.053		0.028
428/7	0.041	155/1	
415/1	0.101	. 181	0.141
281/1	0.053	182	0.036
ग	3.189	315/4-5	0.089
 सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्य 	कता हैजमगहन सब	316/4	0.053
 सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्य माइनर, 	THE CONTRACT OF	316/1	0.044
		316/3	0.040
3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण	१ भू-अर्जन अधिकारी,	316/2	0.012
हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यात है.	रुय म किया जा सकता	317	0.121
ę.			0.057
. 0 1		318	
जाजगीर-चोपा, दिनांक 30 अ	ਪੁੱਲ 2003	319	1.663
क्रमांक 391/सा-1/सात.—चूंि ात का समाधान हो गया है कि नीचे दी ग	ई अनुसूची के पद (1)	योग कटारी ।	1.003
। वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेरि इ. लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्ज	खुत सावजानक प्रयाजन चि. व्यक्तिसम्म । १९४		•
ह लिए आवश्यकता है. जतः भू-जज क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन	। अधिनियम्, 1984 की	103/1	0.016
गरा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित	किया जाता है कि उक्त	44	0.348
्मि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकत	ग है :—	43	0.069
अनुसूची		42	0.053
2,3,2,		44	
		. 41	0.145
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्ती	सगढ़)	40	0.145
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्ती (ख) तहसील-मालखरौदा			0.145
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्ती		<u>40</u> द्योग	0.145 0.069 0.700
 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्ती (ख) तहसील-मालखरौदा (ग) नगर/ग्राम-सुलीनी, प. ह. न (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.430 हे. 	†. 2	<u>40</u> द्योग	0.145
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्ती (ख) तहसील-मालखरौदा (ग) नगर/ग्राम-सुलीनी, प. हू. न	र्ग. 2 रकवा	्रोग योग कटारी म	0.145 0.069 0.700 भाइनर-111
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्ती (ख) तहसील-मालखरौदा (ग) नगर/ग्राम-सुलीनी, प. ह. न (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.430 हे. खसरा नम्बर	†. 2	<u>40</u> द्योग	0.145 0.069 0.700 माइनर-111 0.117
 (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्ती (ख) तहसील-मालखरौदा (ग) नगर/ग्राम-सुलीनी, प. ह. न (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.430 है. 	[†] . 2 · रकबा (हेक्टेयर में)	्रोग योग कटारी म	0.145 0.069 0.700 भाइनर-111

भाग ।]	छत्तीसगद राजपत्र	, दिनांक 16 मई, 2003	1
(1)	(2)	(1)	(2)
106/2	0.045	129/4 ~	0.184
108/1, 2, 3, 4	0.085	129/5	0.080
94/2	0.020	129/1 ख	0.048
	`	129/1 क	0.040
92/1	0.247	129/1 ग	0.024
56/5	0.020	131/1 ख	0.040
91	0.121	132/1	0.016
107	0.121	134/8	0.024
पोग	1.067	220/2	0.128
		220/4	
I - 1.663		130/3	0.080
II - 0.700		131/4	r
III - 1.067		131/3	0.056
3.430		132/3	0.104
		132/4	0.040
 सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है 	–कटारी माइनर.	151/1	0.202 · ·
 भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-उ 	गर्दन गणिकामी	151/2 ·	0.040
हसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में	•	149/1	0.032
है.		143/3	0.016
		148	0.104
·		146/2	0.040
जॉजगीर-चोपा, दिनांक 30 अप्रैल 20	003	145	0.064
क्रमांक ३९३/सा-।/सात.—चूंकि राज्य	र प्राप्ता को कार	221 .	0.024
ग्रानाय ३५५) सा ना सात.— पूर्व राज्य गात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनु		144	0.040
। वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सा		220/3	0.016
ह लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन आ	धिनियम, 1894	220/1	0.319
क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधि		, 238/2	0.016
गरा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया ज पूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-		245	0.073
µम का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता हः=		243/4	0.040
अनुसूची		241/2	0.144
5 %		241/4	,
1) भूमि का वर्णन-		244	0.144
(क) जिला-जॉजगीर-चोपा (छत्तीसगढ़)		243/3	0.080
(ख) तहसील-जैजेपुर		243/2	0.048
(ग) नगर/ग्राम-भातमाहुल, प. ह. नं. 2(घ) लगभग क्षेत्रफल-5.056 हे.	1	योग	2.330
क्रिकार बाइनेक	रक्ता	शास्त्राहर ग	
	रकबा ाटेयर में)	भातमाहुल म 327/1	ायनर भाग-II
(1)	(2)		0.040
भातमाहुल मायनर भाग-I		327/2	0.104 .
121/1 क	0.024	327/\$ 327/7	0.088 0.056

1058	छत्तीसगढ राजपत्र, वि	नोक 16 मई, 2003	[भाग 1
(1)	(2)	(1)	(2)
327/9	0.112	886/1 क	0.107
328/2	0.032	892/4	
597/4	0.048	894	0.020
603/1		895/4	
328/5	0.048	886/1 ख	0.012
608/3	0.040	892/1 क ।	0.004
893/1 क	•	897/1 再	
908/1 ख	0.088	893/2	
909/1 ख		908/2	0.096
910/1 ख		910/2	
608/6	0.040	909/2	•
568	0.064	893/1 घ	
608/1 ख	0.024	908/1 घ	0.104
329/1	0.024	909/1 घ	
329/3	0.168	910/1 घ	
601/2 क	0.020	907	0.064
606/1	0.012	908/1	0.052
667/1 क	0.020	906	0.024
601/2	0.135	योग	2.726
602		•	
603/2	0.032	कुल योग :-	
597/2	0.004	भाग 1 2.330	
596/3	0.048	भाग II 2.726	
596/1	0.004	5.056	
595/1	0.064	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्य	क्या है भागाएट्स गा
539	0.072	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्य भाग I एवं भाग II.	कता ६—मातमाषुल नाः
590	0.068	11 1 A 11 W 1 AN	.
553	0.040	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षा	
550	0.096	हसदेव परियोजना जाजगीर के कार्या	लय में किया जा सकता
552	0.112	है.	
569/2	0.032 0.064	1	
566/1 671/1	0.020		
887	0.036	जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 उ	ਾ ਧੇਲ 2003
667/1 ख	0.048	क्रमांक ३९४/सा-१/सात.—चूंि	क राज्य शास्त्रत को इस
667/2	0.072	क्रमाक 3947 सार्ना स्तात.— पूर बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी र	
668	0.024	में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेजि	
665	0.080	के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अज	नि अधिनियम, 1894
664	0.032	(क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन	
891/1	0.040	धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित	
890/1	0.056	भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकत	,, e .—
888/2	0.036		

en en	नगर्नी			
. બ	नुसूची 	(1)		(2)
।) भूमि का वर्णन-	·	1097/1		0.328
	चांपा (छत्तीसगढ़)	956/2		0.028
(ख) तहसील-मालखरी	ीदा	933/3		0.040
(ग) नगर/ग्राम-पिहरी		955/2		0.170
(घ) लगभग क्षेत्रफल-	·6.116 हे.	955/1		0.304
खसरा नम्बर	73-4	922/2		0.089
S.111 1 41	रकबा (हेक्टेयर में)	913/1		0.024
(1)	(2)	913/3		0.138
2048/1	0.182	910/2		0.061
2048/2	0.239	910/1	ė	0.049
2048/3	0.008	910/4		0.061
1132	0.445	909/1		0.065
1213/2	0.12	910/3		0.032
956/1	0.040	909/2		0.150
955/11	0.012	904		0.109
955/10	0.129	905/2		0.081
1152	0.117	903		0.024
1151	0.077	746/1		0.121
1153	,	751/1		
1144	0.012	752		
1146/1, 2	0.001	753	4	0.032
1148	0.081	754		
913/2	0.444	827/2		0.040
1143	• 0.255	752	•	
1145	0.182	753	1	0.109
1187	0.061	754		
1140/1	0.069	752		
	0.036	753	3	0.032
921/2	0.049	754		-
962/2	0.020	762/1		0.178
1141/1	0.032	826/3		0.049
921/1	0.368	826/2		0.032
1141/2	0.049	826/4		0.016
1199	0.032	825		0.045
1188/1	0.018	824		0.045
1201	0.089	831/1		0.040
1200	0.008	831/2		0.008
1204	0.061	835/1		
1138/2	0.101	835/2		0.089
1140/2	0.146	813/7		0.008
1098/1	0.061	813/1		0.097 0.016

1060 छत्तीसगढ़ राजपत्र,		देनांक 16 मई, 2003	[भाग 1
(1)	(2)	(1)	(2)
813/5	0.049	· 284	0.076
811/6	0.032	281/5	0.036
811/2	0.004	283/1	0.024
851/2	0.154	281/2	0.016 ,
850/5	0.069	281/3	0.178
811/5	0.069	281/8, 9	0.182
1150	0.040	360/1	0.004
योग	6.116	369/1, 2	0.234
(A) molecular à la	् ए आवश्यकता है-पिहरीद माइनर.	455	0.125
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	ए आवस्यकत् ६—।पहराय नाश्नरः	453	0.069
(3) भृमि का नक्शा (प्लान)	का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	560	0.045
	र के कार्यालय में किया जा सकता 🦈	12/2, 3, 4	0.044
है.		516/2	0.004
		504	0.02
जाजगीर-चांपा, दि	नांक 30 अप्रैल 2003	503	0.02
		502/5	0.016
	नात.—चूंकि राज्य शासन को इस	556/2	0.016
	5 नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) १) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	556/1	0.109
के लिए आवश्यकता है. अ	तः भू-अर्जन अधिनियम, 1894	557	0.012
(क्रमांक । सन् 1894) संशोधित	त भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की	569	0.101
	पह घोषित किया जाता है कि उक्त	579	0.036
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है :—	562/1, 2	0.057
अन	<u>.</u> गुस् ची	578	0.008
4.3	3.4	577/3	0.098
(1) भूमि का वर्णन-		576	0.068
(क) जिला-जोजगीर-च		574	0.044
• (ख) तहसील-मालखरी		571/2	0.036
(ग) नगर/ग्राम-लिमग (घ) लगभग क्षेत्रफल-2	-		0.004
(4) (2:141) 414 (6)	2137 k C.	607 .	0.02
खसरा नम्बर	रकवा	571/3	
	(हेक्टेयर में)	626	0.032
(1)	(2)	627	
288/1, 2	0.101	662/2	0.008
38/6, 11	0.089	667	0.089
289/4	0.049	459	0.016
289/3	0.016 0.036	515/1	0.02
288/8	0.032	512/1	0.048
289/2	0.032	360/4	0.032
303/1		513	0.024
303/2	0.02	630	0.012

भाग 1]	छंत्तीसगढ राजपत्र, वि	छत्तीसगढ राजपत्र, दिनांक 16 मई, 2003		
(1)	(2)	(1)	(2)	
625	0.004	142/3	0.016 .	
558	0.008	218/2	0.020	
506	0.053	142/4	0.016	
योग	2.371	142/5	0.020	
	2	97/1 क	0.093	
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लि	ov आवश्यकता है-लिमगांव माइनर.	97/1 ख	•	
(3) भृमि का नक्शा (प्लान)) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	142/6	0.020	
	गीर के कार्यालय में किया जा सकता	142/7	0.024	
€.		218/1	0.081	
		142/2	. 0.081	
जीकगीर-चीका	ि दिनोक 30 अप्रैल 2003	210	0.049	
11-1-11 - 41-11,		290	0.101	
क्रमांक ३९६/सा-१/	'सातचूंकि राज्य शासन को इस	217	•	
	के नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)	218/3	0.008	
	(2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	142/1	0.040	
	मतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 घत भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की	221	0.057	
	यह घोषित किया जाता है कि उक्त	363	0.045	
भूमि की उक्त प्रयोजन के लि		362		
		216	0.073	
अ	नुसूची	524	0.053	
(A) order are such	•	367/1	0.061	
(1) भूमि का वर्णन- (क) जिलां-जांजगीर-	नांगा (क्रजीक्कार)	376/1	0.032	
(ख) तहसील-मालखर		389	0.053	
(ग) नगर/ग्राम-कुधर	री, प. ह. नं. 10	494/1	, 0.012	
(घ) लगभग क्षेत्रफल-	-2.428 हे.	455/2	0.061	
-	<u></u> .	471/2		
खसरा नम्बर	़ रकबा (हेक्टेयर में)	456/2	0.162	
(1)	(2)	383	0.036	
103/1	• • •	381/1	0.024	
110	0.113	381/2	0.028	
111		380/1	. 0.040	
103/2	0.012	398	0.032	
104	0.7073	406	0.028	
140/1	0.069	455/1	0.016	
140/2	0.028	471/1		
367/3	0.113	408	0.036	
100	0.073	453	0.085	
141	0.020	452	0.089	
101	0.141	455/3	0.028	
102		525	0.113	
-				

1062	छत्तीसगढ़ राजपत्र, वि	हेनांक 16 मई, 2003	[भाग
(1)	(2)	(1)	(2)
494/1	0.008	600	0.129
697/1	0.045	597/1	0.032
योग 27	2.428	597/2	0.049
		598	
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है–कुधरी माझ्नर.	587	0.061
(०) ०क्ट कर काला (जारा) स	ितीष्णाः प्रत्यार्वन यशिकारी	596	0.016
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का इसदेव परियोजना जीजगीर व	निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, के कार्यालय में किया जा सकता	589/2	0.057
. है.		588/1	•
		589/3	0.049
-		588/2	
जांजगीर-चांपा, दिनां	क 30 अप्रैल 2003	473	0.004
araka 200 /aπ. 1 /aπ.	ा.—चूकि राज्य शासन को इस	472	0.093
क्रमाक 3987 सा-17 सार बात का समाधान हो गया है कि नी		471/3	0.069
में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में	१ उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	471/1	0.024
के लिए आवश्यकता है. अतः	भू-अर्जन अधिनियम, 1894	478/1 帝 .	0.081
(क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित	भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की	478/2 ख	. 0,061
धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए अ		480	0.093
भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए ज	विष्यमाता ह	481	0.057
अनुस्	च ी	341/1	0.109
		347/3	0,032
(1) भूमि का वर्णन-		353/1	0.008
(क) जिला-जांनगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)		350	0.073
(ख) तहसील-डभरा		357	0.045
(ग) नगर/ग्राम-कटेकोनी (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.0		358	0.012
(घ) लगभग क्षेत्रफल-3.0	70 e.	356	0.020
• खसरा नम्बर	रकत्रा	364	0.032
	(हेक्टेयर में)	365	0.053
(1)	(2)	367 .	0.069
675/1	0.081	. 377	0.036
675/2		376	0.077
678	0.032	147	0.008
674/2	0.040	148	0.077
673	0.012	· 144/2	0.093
672	. 0.073	145/1	0.077
671		144/1	
607/1	0.077	136/1	0.024
606/2	0.028	. 137/2	0.057
· 682	0.069	136/2	
601/4	0.040	107/1	0.012
603	0.008	107/2	0.045
601/1	0.024		

खसरा नम्बर

(1)

27/4

28

27/3

24/1 ख

10/10

24/2

36/1

35

40/2

5/2

41/9

9/2

8/2

6/1

5/1

3/1, 2, 3

- 2/1, 3/1

2/2, 3/3

3/2, 2/3

46

47/3

48/2

49/2

47/4

48/3 49/3

50/2

योग

रकबा (हेक्टेयर में)

(2)

0.065

0.020

0.089

0.093

800.0

0.008

0.073

0.008

0.109

0.008

0.065

0.020

0.081

0.012

0.109

0.053

0.008

0.004

0.073

0.145

310.0

0.016

1.083

(1)	(2)
105/1	. 0.061
112/2	0.045
112/1	0.040
111	0.065
113	
116/2	0.028
116/3	0.028
115/3	0.040
122/2	0.045
123	0.053
125/2	0.016
88	0.129
89	0.012
18	0.069
82	0.045
84	0.020
83	0.012
121	0.004
139	0.004
349/6	0.036
ोग	3.070

- (2) सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—गोबरा सब डी वाय.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी; हसंदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 399/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-बड़े मुड़पार, प. ह. ने. 10
 - (च) लगभग क्षेत्रफल-1.083 है.

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—बरतुंगा ब्रांच मायनर
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जॉजगीर-चांपा, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 400/सा-1/सात.—चृंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन

के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894		(1)	(2)
(क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की		447/3	0.040
•	ह घोषित किया जाता है कि उक्त	448/2	0.024
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए व	आवश्यकता है :	403/5	0.032
		404/9	0.076
अनुर	सूची	404/10	0.040
		387/2	. 0.040
(1) भूमि का वर्णन-	•	386/4	
(क) जिला-जांजगीर-चां	पा (छत्तीसगढ़)	383/4	0.117
(ख) तहसील-डभरा		383/1	0.129
(ग) नगर/ग्राम-वडादरा	•	404/6	0.020
(घ) ंलगभग क्षेत्रफल-३.	766 हे.	योग	2.513
खसरा नम्बर	रकबा .	चनामम् अ र ्षास्त	नहर निर्माण हेतु II
	(हेक्टेयर में)	नवाबारा ७४ साखा	नहर निनाम हिंदु 11
(1)	(2)	475/10	0.032
272/2	0.052	550/3	0.068
273/1	0.036	550/9 क	0.060
274	0.036	550/4	0.032
275	0.068	550/4 550/7	0.040
273/2	0.068	559/5	0.020
277/1	0.056	560/1	0.237
278/4 .	0.008	721/8	0.060
277/3	0.016	721/2	0.012
277/4	0.016	721/7	0.002
278/7	0.016	720	0.293
278/2	0.008	711/1	0.068
278/3	0.072	711/3	0.000
496	0.024		
280/4	0.028	योग 	0.924
280/1	0.048	जनायाम अप-शास्त	नहर निर्माण हेतु III
495	0.081		
494	0.076	588/1	0.177
522	0.101	588/8	0.004
475/4	0.060	586/1	0.028
475/5	0.044	272/7	0.032
475/6	0.072	272/3	0.064
475/7	0.072		
475/8	0.064	272/8	0.024
475/9	0.048	योग	0.329
475/10	0.068	I 2.513	
474/3	0.020		
474/1	0.085	II 0.924	
474/2	0.020	III 0.329	
452/1	0.155	3.766	
451	0.085	J.100	
445	0.188	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लि	ए आवश्यकता है-नवापारा तप
450		(2) सावजानमा प्रयाणना मा लि शाखाः	A ANALONNA JAIJAN OT
446/2	0.064	⊀0.28€	
446/1	0.068	(3) भूमि का नक्शा (प्लान)	का निरीक्षण भ-वार्जन व्यक्तिकार्य
447/1	0.032		
	0.040	हसदेव परियोजना जाजगीर के कार्यालय में किया जा २ है.	

जॉनगीर-चांपा, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 407/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-जैजेपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-नंदेली, प. इ. नं. 10
 - (ਬ) ਲਾਮਾ क्षेत्रफल-0.314 हे.

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
241/2	0.028
266 /1	0.020
242/1	0.016
249/1	0.028
250/1	0.012
240/1	0.012
271/1	0.016
247/1	0.061
229	0.008
243/2	0.049
474	0.024
233	0.040
योग	0.314

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—कलमीडीह माझ्नर पूरक प्रकरण.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमोक 410/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम. 1894 (क्रमोक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जीजगीर-चीपा (छत्तीसगद)
 - (ख) तहसील-जैजेपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-लालमाटी, प. ह. नं. 21
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.333 हे.

खसरा नम्बर	3-2-2-1
SOUTH AC	रकवा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
148/4, 6	0.121
143/5	0.049
145	0.040
147/4	0.036
147/3	0.012
324	0.004
323, 314/1	0.036
314/3	0.020
313/2	. 0.004
311/2- ख	0.113
311/2-क, 315	0.133
162	0.077
161	0.024
163/2	0.024
165	0.053
163/1	0.004
योग .	0.754
116	0.032
117/3	0.002
85/2, 3	0.077
86	0.089
106	0.040
107/2	0.008
107/3	0.049
107/1	0.028
105/3	0.113
105/2	0.085
105/1	0.032

off छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 16 मई, 2003		[भाग ।	
(1)	(2)	(1)	(2)
102. 104/1	0.024	739/2	0.150
योग	0.579	740/2	
	0.754	741	0.012
— 	1.333	938/1	. 0.413
कुल योग	1.333	541/9	0.150
(2) - सार्वजनिक प्रयोजन के लिए :	आवश्यकता है–भनेतरा माझ्नर/	541/8	0.012
भनेतरा ब्रांच माइनर 3 L.		544/2	0.150
		621/1	0.012
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) क	T निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	623/3	0.046
हसदेव परियोजना जांजगीर	के कार्यालय में किया जा सकता	623/4	0.227
€.		620/3	0.140
. •		736/32	
ञाजगीर-चांपा, दिन	ोक 30 अप्रैल 2003	736/12	0.012
		योग	1.886

क्रमांक 411/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके बारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जोजगीर-चोपा (छत्तीसगढ़)
 - ं (ख) तहसील-जैजेपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-खम्हरिया, प. ह. ने. 6
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.886 है.

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
11/1	0.028
10/1	0.045
11/5	0.024
911	0.270
9/21	0.061
9/33	0.074
9/6	0.020
9/32	0.012
. 9/2	0.028
540/2	

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—मलनी वितरक नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी. हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 30 अप्रैल 2003

क्रमांक 412/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जाजगीर-चोपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-जैजेपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-बोडसरा, प. ह. नं. 13
 - (ਬ) ਲਾਮਾ क्षेत्रफल-2.784 है.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
378/2	0.049
379	0.073

भाग ।	छत्तीसगढ़ राजप	त्र, दिनांक 16 मई, 2003	1067
(1)	(2)	(1)	(2)
380/1	0.066	872/1	0.012
381/2	0.126	839/1	0.086
382		838/1	0.153
383	0.051	838/4	0.065
387	0.029	838/3	0.015
384	0.035	837	0.026
385		828/2	0.024
390/6	0.050	829	0.132
390/5	0.049	830	0.013
397	. 0.016	832/1	0.038
393	0.083	848/1	0.061
394	0.074	849	0.073
459	0.005	850	0.033
456/1	0.021	827/21	0.070
454/1	0.044	योग	2.784
441/3	0.020		2.784
441/2	0.079	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है-कचन्दा उप
441/1	0.031	वितरक/बरदुली/वितरक,	
440	0.044	(2) (10) 117 117 (117)	
443/3	0.048	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का इसदेव परियोजना जोजगीर ते	ानराक्षण भू-अजन आधकारी, इ कार्यालय में किया जा सकता
912	0.044	हैं.	। भाषाराय म । भाषा आ सकता
913/1	0.061		
913/2	0.016		•
455/1	0.036	जोजगीर-चांपा, दिन	कि ४ मई २००३
455/2	0.060		
455/4	0.025	क्रमांक 526/सा-1/सात	—चूंकि राज्य शासन को इस
455/5	0.025	बात का समाधान हो गया है कि नी	
455/3	0.050	में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में	
443/1	0.064	के लिए आवश्यकता है. अतः ।	
443/3	0.050	(क्रमांक !. सन् 1894) संशोधित भू	
442/5	0.018	धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घ	
441/3	0.020	भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आव	
442/2	0.056		•
442/1	0.032	अनुसूच	गी
442/3	0.040		•
442/4	0.020	(1) भूमि का वर्णन-	
914/1	0.043	(क) जिला-जोजगीर-चोपा	(छत्तीसगढ़)
914/2	0.043	(ख) तहसील-जैजेपुर	
911	0.065	(ग) नगर/ग्राम-पोडाहरदी,	प. ह. ने. 10
910	0.189	(ਬ) लगभग क्षेत्रफल-0.165	
873/3	0.053		

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
287/13	0.109
324/2	0.032
220/1	0.024
220/3	
ग	0.165

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—कल्मीडीह माइनर नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जॉजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जाजगीर-चापा, दिनांक 4 मई 2003

क्रमांक 521/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह योषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-सक्ती
 - (ग) नगर/ग्राम-हरदा, प. ह. न. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.059 हे.

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
212/1 212/2	0.032
349/1	0.109
349/2	0.409
349/3	0.166
349/4	0.125

(1)	(2)
348/3	0.036
351/1	0.004
351/2	0.162
352	0.016
ोग	1.059

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—मोहंदीकला वितरक नहर निर्माण हेतु.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जॉजगीर-चांपा, दिनांक 4 मई 2003

क्रमांक 535/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जाजगीर-चापा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-सक्ती
 - (ग) नगर/ग्राम-गौरमुड़ा, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.622 हे.

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर
(1)	(2)
329	0.222
328/3	0.008
328/4	0.077
330	. 0.109
327/2	0.040
331/2	0.004
332	0.085
333	. 0.077
ſ	0.622

भाग 1]	छत्तीसगढ़ राजपत्र,	दिनांक 16 मई, 2003 106	
(2) सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्य नहर निर्माण हेतु.	कता हैं–हरदा ⁻ माइनर	(1)	(2)
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण	भ-अर्जन अधिकारी	364/2	0.065
हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्याल	-,	361/4	0.259
.		369/9	
		315	0.044
		324	0.012
जॉजगीर-चांपा, दिनांक ४ मई	ž 2003	. 317	
		318	0.049
क्रमांक 536/सा-1/सात.—चूंकि इात का संमाधान हो गया है कि नीचे दी गई		319	0.017
भारत पार समायान हा गया है। या नाय दा गई भें वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखि	1	316/1	
के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन		320/1	0.220
क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन			0.372
गरा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित वि	न्या जाता है कि उक्त	321/1	
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता	है :	326/2	0.036
		327/2	
अनुसूची		329/2	0.138
: :		361/5	0.109
 भूमि का वर्णन- निस्स जीवरिक जोगर (उट्टीक) 		369/8	0.198
(क) जिला-जॉजगीर-चांपा (छत्तीस (ख) तहसील-सक्ती	ብ ፍ)	293/2	0.081
(ग) नगर/ग्राम-चमरवाह, प. ह. न	. 6	293/4	0.231
(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.740 हे.		311	0.024
		योग	2.740
खसरा नम्बर	रकबा	•	
(1)	(हेक्टेयर में)		ए आवश्यकता है-खरसिया शाख
(1)	(2)	नहर निर्माण हेतु.	
53/3	0.146		का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी
54/3			र के कार्यालय में किया जा सकत
231/2	0.021	है.	
64/1	0.016		
62/2		जाजगीर-चांपा,	दिनांक 4 मई 2003
63/1	0.178		
228/1		•	तात.—चूंकि राज्य शासन को इर
229/1			नीचे दी गई अनुसूची के पद (1
62/5	0.178	में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्र के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 19	
63/3			
228/2			त भू-अजन आधानयम, 1984 व ग्रहं घोषित किया जाता है कि उक
229/2		भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	
236	0.255	W	The second secon
238		अनु	ा स्ची
363/5	. 0.061		

(1) भूमि का वर्णन-

0.267

361/3

369/10

362/4

- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-सक्ती

(ग) नगर/ग्राम-जामपाली, प. ह. नं. (घ) ंलगभग क्षेत्रफल-2.241 हे.	4	जांजगीर-चांपा, वि	देनांक 4 मई 2003
(4) 62144 (1416) 2:741 6:		क्रमांक 538/सा-1/स	ात.— चूं कि राज्य शासन को इ
खसरा नम्बर	रकवा	बात का समाधान हो गया है कि	
	हेक्टेयर में)	में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2)	
. (1)	(2)	के लिए आवश्यकता है. अत	
227	0.125	(क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित	
290	0.040	धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा य	
367	0.316	भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	आवश्यकता हः—
131/1	0.198	अन	सूची
131/3, 4, 5, 6		9,3	, e
239	0.053	(1) भूमि का वर्णन-	
238	0.101	(क) जिला-जोजगीर-च	iपा (छत्तीसगढ़)
285/1-2		(ख) तहसील-सक्ती	
285/3	0.089	(ग) नगर/ग्राम-जुङ्गा, प. ह. ने. 4	
•	`	(घ) लगभग क्षेत्रफल-1	.299 हे.
285/4	•		
287/1	0.166	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
287/2	0.166	(1)	(2)
287/3	*	164/1	0.364
288	0.057	164/2	Ų.30 1
373	0.081		
364	0.344	185/1	0.000
380	. 0.008	185/2	0.057
379/1	0.093 -	185/3	
379/2		186/1	
389/1	0.032	186/2	0.202
389/2		186/3	
390/1-2	0.065	202/2	0.045
388/1	0.134	202/1	0.024
388/2		206	0.032
387	0.105	217/1	0.146
386	0.182	217/2	
385/2	0.040	204	0.032
385/5	0.008	205	0.028
286	0.004	207	0.004
200	0.004 :₩°₩*	209/1	0.008
ग	2.241	209/2	
्रार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है	धांगरपारा माइनर	546	0.008
नहर निर्माण हेतु.		545/1	0.004
		544/1 .	0.097

544/2

576

0.045

0.105

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,

€.

हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता

भाग ।]	छत्तीसगढ़ राजपत्र,	इ राजपत्र, दिनांक 16 मई, 2003	
(1)	(2)	्र जाजगीर-चापा,	दिनांक 4 मई 2003
577/1	0.045	. •	
577/2	0.049		गत.—चूंकि राज्य शासन को इस
577/3	0.604		नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)
<u> </u>) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन
गोग	1.299	के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 189	
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश	ाकता हैथात्रोगियाकी ः	(क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उव	
माइनर नहर निर्माण हेतु.		भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	
		St. m. and wall to de 1757	
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण	। भू-अर्जन अधिकारी,	अनु	सूची .
हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्याल	ध्य में किया जा सकता	,	
æ.		(1) भूमि का वर्णन-	
		(क) जिला-जोजगीर-च	पा (छत्तीसगढ़)
ांजगीर-चांपा, दिनांक ४ म	S 2002	(ख) तहसील-जैजेपुर	
णाणगार वापा, विनाक व न	ę 2003	(ग) नगर/ग्राम-रिवाडी	· ·
्र क्रमांक 539/सा-1/सात.—चूंवि	र गाना शामन हो रक	(घ) लगभग क्षेत्रफल-३	.037 हे.
ग्रानाया ३३५/ सा १७ साता.— यूप गात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गः			-
	,	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन		(1)	(हक्टवर म) (2)
के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की		13/2	0,004
·		137 2.	
ारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त मि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—		•	0.008
रूप या उपस्य प्रचायम् या छिद् जायस्यकात्	9 i	21	0.186
अन्सूची		22/1	0.040
0131241	,	26	0.024
1) भूमि का वर्णन-	•	62	0.073
(क) जिला-जोजगीर-चोपा (छत्तीस	ਬਣ) :	64/3	0.040
(ख) तहसील-जैजेपुर	-(φ)	27/1	0.004
(ग) नगर/ग्राम-कांशीगढ़, प. ह. व	‡ a	27/2	0.109
(य) लगभग क्षेत्रफल-0,069 हे.		28 .	0.012
(4) (7) 11 1 41 11 11 0,000 E.		429	0.040
• खसरा नम्बर	रकेबा	63	. 0.089
	(हेक्टेयर में)	72/1	0.008
(1)	(2)	72/3	0.065
		74	0.032
2903/1	0.069	75	
2904/1		78/1	0.028
ोग	0.165		0.049
1		78/2	0.012
 सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकत 	त है—कांशीगढ़ माइनर	78/3	0.040
पूरक प्रकरण.		81	0.081
		91	0.081

92

93.-

397

0.097

0.073

0.008

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,

ફે.

हसदेव परियोजना जीजगीर के कार्यालय में किया जा सकता

1072	छत्तीसगढ राज	त्रत्र, दितांक 16 मई, 2003 ———————————————————————————————————	[भागा
(1)	(2)	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	अावश्यकता है-माइनर 2 R/
398/1	0.040	कचंदा उप वितरक.	
398/2	0.053	ं ८०० असि वर क्लाप (क्लाप) व	न विकास का अर्ज न अशिकारी
730	0.008	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) क इस्टेट एरिगोजना जोजगीर	ि निराक्षण मू-जनम जावनारा, के कार्यालय में किया जा सकता
407/1	0.008	है.	या बाबाराच या वाचा या राजरा
733/2	0.024	,	
407/3	0.028		•
408	0.045	जांजगीर-चांपा, वि	स्तांक 4 म ई 2003
	0.040	·	·
409			त.—चूंकि राज्य शासन को इस
785	0.012	बात का समाधान हो गया है कि में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2)	
410	0.057	के लिए आवश्यकता है. अत	
412	0.053	(क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित	
415	0.032	धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह	
595/1	0.235	भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	भावश्यकता है :—
428	0.045		
413	0.040	अनुर	प ू ची
786	0.008	• ,	
414	0.024	(1) भूमि का वर्णन-	_
. 426	0.081	(क) जिला-जांजगीर-चां	पा (छत्तीसगढ)
427	0.020	(ख) तहसील-जैजेपुर	
596	0.113	(ग) नगर/ग्राम-आमगी (घ) लगभग क्षेत्रफल-०.	
_	0.008	(घ) लगभग क्षेत्रफल-०.	301 G.
594	_	खसरा नम्बर	रकबा
595/2	0.004	4	(हेक्टेयर में)
781	0.061	(1)	(2)
784	0.081	1733	0.008
789	0.097	1734	0.045
790/1	0.073	1735/1	0.028
749	0.049	1740/1	0.032
748	0.004	1741	0.040
743	0.040	1742/2	0.028
744	0.024		
1018	0.012	1743	0.012
735 736	0.020 0.061	643	. 0.053
733/3	0.024	642	0.049
733/4	0.03	1745	0.057
729	0.024	1746/2	0.069
731	0.002	1747	0.049
400/1	0.020	635	0.045
407/2	0.120	634	0.057
733/1	0.052	633	0.045
400/2	0.012	587	0.045
399	0.020	586/1	0.113
योग	3.037	J0U/ I .	0,113

भाग !]	छत्तीसगढ राजपत्र, वि		10
(1)	. (2)	(1)	(2)
586/2	0.069	259	0.062
584	0.057	260	0.013
ाग	0.901	261.	0.045
		262/1	0.025
?) सार्वजनिक प्रयोजन के लि	ए आवश्यकता है-आमगांव सब	189/9	0.008
मायनर । का पूरक प्रकरण	ſ .	262/2	0.053
) (10) 21 2200 (12)	का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	263/2	0.025
-•	का निराक्षण भू-अगन आधकारा, एके कार्यालय में किया जा सकता	265/1	0.064
है.	CACIMATON TOTAL AT CITAL	267	0.012
		266/2	0.072
		318/6	0.052
जांजगीर-चांपा, वि	देनांक 4 मई 2003	318/4	0.064
		318/3	0.077
	ात.—चूंकि राज्य शासन को इस	318/1	0.029
वात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)		314	0.009
) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन ाः भू-अर्जन अधिनियम, 1894	313	0.061
	। भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की	312/2	0.061
धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त		311	0.053
मि की उक्त प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है :—	340	0.021
		365/1	0.032
अनु	सूचा	339/1	0.109
1) 97ft 37 79f		339/2	0.065
 भूमि का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-च 	iui (क्र ती सगढ)	369/1	0.065
(ख) -तहसील-जैजैपुर	ι τι (Ο (Π. ()φ)	369/2 क	0.033
(ग) नगर/ग्राम-गाडामे	ार, प. ह. नं. 18	368/2 क ।	0.017
(घ) लगभग क्षेत्रफल-2	.214 हें.	369/2 ख	
		343/4	
खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेय र में)	344/2	0.037
(1)	(2)	368/2 क	0.037
213	0.020	343/2	0.049
214	0.064	367/5	0.044
248/1	0.056	365/2	0.029
248/2	0.068	366	0.044
252/1	0.068	595/1 क	0.149
252/2	0.032	595/1 ख	0.028
252/4	0.056	599	0.029
256/1	0.060	600/1	
256/2	0.013	600/2	0.041
257	0.069		0.000
431	U.U09	603	0.009

601/3

1074	छत्तीसगढ़ राजपत्र, दि	नोक 16 मई, 2003	[भाग ।
(1)	(2)	(1)	(2)
605/3	0.028	336/3	0.012
189	0.020	336/6	0.053
योग	2.214	335	. 0.008
	•	337	0.105
	हुए आवश्यकता है—गाडामोर माइनर	· 334	0.012
(बरदुली वितरक नहर वे	ह अंतर्ग त).	368	0.020
(०) अपि वर सम्बद्धाः (स्थान)	का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	372	0.053
(३) भूम का नक्सा (५०)न) इसदेव परियोजना जांजर	रिर के कार्यालय में किया जा सकता	; 371	0.036
है .		326/2	0.008
		362/3	0.053
	, दिनांक 4 मई 2003	362/1 .	0.243
जाजगार्-चापा	, ।दनाक ४ मर २००३	376	0.085
क्रमांक 543/सा-1/	'सात.—चूंकि राज्य शासन को इस	490	0.049
बात का समाधान हो गया है।	के नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)	356	0.008
में वर्णित भूमि अनुसूची के पद।	(2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	597/1	0.097
के लिए आवश्यकता है.	भतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894	597/2	0.077
(क्रमांक 1 सन् 1894) संशोध	धेत भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की यह घोषित किया जाता है कि उक्त	597/3	0.012
धारा ६ क अंतगत इसके द्वारा भूमि की उक्त प्रयोजन के लि		357	0.002
मूम का उपरा प्रयागा क र	VINE THE PARTY OF	598/1	0,008
33	ा नुसूची	596/1	0.016
		596/2	0.093
(1) भूमि का वर्णन-		594	0.008
· ·	-चांपा (छत्तीसगढ़)	595	0.032
(ख) तहसील-नैजैपुर		591/1	0.053
(ग) नगर/ग्राम-हर्र्य (घ) लगभग क्षेत्रफल	ीडीह, प. ह. नं. 20		0.040
(ध) लगमग पानमण) J.116 G.	599/1	0.012
खसरा नम्बर	़रकबा	599/2	0.053
	(हेक्टेयर में)	599/3	0.012
(1)	(2)	600,	
313/1	0.028	629	0.223
313/2	0.089	607/1	0.129
309/1	0.020	. 606/2	0.012
309/2	0.020	607/2	0.125
310/1	0.012	619/2	0.012
310/2	0.012	607/5	0.012
311/1	0.004	780/1	0.004
311/2	0.004	867	0.247
319	0.057	868	0.125
320	0.040	876	0.186
983	0.004	919	0.024
336/1	0.020	920/2	0.024
336/5	0.049	625	0.016
336/2	• 0.040		

भाग 1] छत्तीसगढ़ राजपत्र,	नपत्र, दिनांक 16 मई, 2003		
(1) (2)	. (1)	(2)	
321 0.008	168/7, 362/7	0.069	
308 0.012	168/9, 362/9	0.073	
√2.818	361	0.036	
	168/5, 362/5	0.004	
	168/6, 362/6	0.036	
खसरा स्टेटमेंट	160/4, 384	0.004	
287/2 0.001	358, 357	0.069	
287/3 0.081	359	0.008	
297/5	353	. 0.004	
287/4 0.121	355	0.045	
297/4	354	0.045	
289 0.024	347	0.008	
290 0.073	407/1	0.069	
	408	0.129	
0.300	409/1	0.008	
सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-मायनर 2 R	335, 336	0.008	
कचंदा/ब्रोच मायनर 2 R.	334	0.040	
भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	333	0.008	
⁷ हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता	332	0.012	
है.	331	0.028	
	329	0.028	
	330	0.045	
जांजगीर-चांपा, दिनांक ४ मई 2003	325/2	0.004	
क्रमांक 544/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस	326	0.105	
का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)	323/4	0.024	
र्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	323/1	0.024	
लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894	323/5	0.012	
मोक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की I 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त	323/6	0.012	
ा ६ के अंतरात इसके द्वारा यह वाक्ति किया जाता है कि उक्ते । की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—	323/2	0.012	
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	323/9	0.012	
अनुसूची	321	0.028	
	322	0.028	
भूमि का वर्णन-	343/3, 344/3	0.012	
(क) जिला-जॉजगीर-चोपा (छत्तीसगढ़) (ख) तहसील-जैजेपुर	344/3	0.036	
(ख) तहसाल-जजपुर (ग) नगर/ग्राम-बरेकेल, प. ह. नं. 21	451/4	0.109	
(घ) लगभग क्षेत्रफल-3.401 है.	451/5	0.065	
खसरा नम्बर स्कबा	451/2	0.040	
खसरा नम्बर रक्तबा (हेक्टेयर में)	453	0.255	
(1) (2)	166/1 क	0.012	
168/3 0.004	443/1, 444/1	0.036	
362/3	योग	1.606	

) _{/0}			h
खसरा स्टेटमेंट		(1)	(2)
(1)	(2)	171/2	0.004
30, 32	0.057	171/1	0.045
33/4	0.004	168/2, 362/2	0.024
33/3	0.012	166/1 ख	0.028
34/2	0.016	166/1 क	. 0.097
34/3	0.024	166/2	0.016
37/1, 2	0.049	364/2	0.036
38/3	, 0.065		
39/1	0.020	365/1	0.032
38/5	0.020	368/2	0.016
40/1	0.040	367	0.020
42/3 ख	0.012	359	0.020
41/1	0.065	· 33/1	0.032
42/4	0.012	114/15	0.012
102	0.069	114/17	0.020
104/2	0.032	- 114/8	0.024
104/1	0.004	<u> </u>	1.795
112	0.028	4111	
113/1	0.036	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है—बरेकेल मायन
113/2, 3	0.065	ब्रांच मायनर 1 R.	
121	0.081	· <u>.</u>	
120	0.040	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) क	
119	0.036	हसदेव परियोजना जांजगीर है.	क कायालय माकया जा सब
118	0.008	е.	
117/1	0.020		
130	0.101		
132	0.012	जांजगीर-चापा, दि	नाका 4 मई 2003
133	0.004	क्रमांक 545/सा-1/सा	त.—चूंकि राज्य शासन को :
114/9	0.034	बात का समाधान हो गया है कि न	• •
143	0.032	में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2)	
145	0.024	के लिए आवश्यकता है. अतः	
146/1	0.004	(क्रमांक 1 ¹ सन् 1894) संशोधित धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह	
148/1	0.016	धारा ६ के अंतगत इसके द्वारा यह भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए ४	
147/2	0.004	मूमि का उपरा प्रयागा या १००६ ०	(1444-14)
150	0.113	अनुस	ू ची
149	0.004	Ç	••
151/1	0.020	(1) भूमि का वर्णन-	
151/2	0.004 0.089	(क) जिला-जांजगीर-चांप	ग (छत्तीसगढ़)
158/1	0.089	(ख) तहसील-जैजेपुर	
172 160/2	0.032	(ग) नगर/ग्राम-आमाको	•
100/ 2	0.010	(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.1	82 ह.

0.045

160/2 169, 170

भाग ।]	छत्तीसगढ राजप	त्र, दिनोक 16 मई, 2003	1077
खसरा नम्बर	रकबा	(1)	(2)
	(हेक्टेयर में)	247/2	0.004
(1)	(2)	248/1	0.012
172/11	0.020	249	0.032
172/3	0.202	250	0.016
172/5	0.186	251/2	0.004
172/6	0.065	251/4	0.069
57/2	0.040	256	0.036
58/4	0.024	. 257/2	0.004
58/3	0.008	257/3	0.061
58/5	0.012	260	0.081
58/6	0.057	<u></u>	
59/1	0.057	योग	2.182
59/2	0.032	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के वि	छए आवश्यकता है—आमाकोनी
60/1	0.049	माइनर/बरदुली वितरक.	
60/2	0.008	•	·
62	0.032		का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,
63	0.069		र के कार्यालय में किया जा सकता
154/2	0.020	्रीह.	٠,
153	0.012		:
155	0.045	जांजगीर-चोपा,	दिनोक 5 मई 2003
124/1	0.081	,	•
124/3	0.113	क्रमांक 548/सा-1/स	गत.—चूंकि राज्य शासन को इस
124/6	0.121	बात का समाधान हो गया है वि	नीचे दी गई अनुसूची के पद (!)
124/7	0.004	में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन
140, 141	0.073		तः भू-अर्जन अधिनियम, 1894
138/2	0.073	•	त भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की
139/2			मह घोंषित किया जाता है कि उक्त
136, 137	0.012	भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है :—
130	0.012		
131	0.040	અ ન્	रुस्ची
132	0.101	. (१) अपि सा सर्पा	
133/1	0.008	(1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-न	गेण (बनीसगढ)
133/2		(ख) तहसील-मालखरै	
126/3	0.012	(ग) नगर/ग्राम-छतौन	
128/3, 129		(घ) लगभग क्षेत्रफल-	•
123	0.024	• •	
343/2	0.004	खसरा नम्बर	रकबा
245/1	0.020		(हेक्टेयर में)
. 245/3	0.012	(1)	(2)
246/1	0.105	8/37	0.136
244	0.061	17/29	
241	0.049	•	

1078	छत्तीसगढ़ राजपत्र	, दिनांक 16 मई, 2003	्र भार
(1)	(2)	अनुसू	ची
8/44	0.120		
17/36		(1) भूमि का वर्णन-	· /
8/19	0.248	(क) जिला-जोजगीर-चोपा (ख) तहसील-मालखरीदा	(छत्तासगढ़)
17/11		(ग) नगर/ग्राम-औरदा, प	. ह. नं . 2
8/47	0.373	(घ) लगभग क्षेत्रफल-०.९३	0 है.
17/39		खसरा नम्बर	रकबा
8/47	0.232		(हेक्टेयर में)
17/34		(1)	(2)
8/49	0.108	1891	0.016
8/4	0.084	1390	0.032
8/42	0.076	1388/1, 2, 3	180.0
8/43	0.042	1380/3	0.028
8/2	0.264	1380/1	0.089
8/6	0.184	1380/5	0.020
14/2	0.156	1378	0.210
8/36	0.208	1379/1	0.004
8/10	0.136	1379/2	0.008
15	0.596	. 1346	0.004
14/3	0.136	1345/2	0.061
गि	3.099	1344/1	0.004
	,	1344/2	0.032
 सार्वजनिक प्रयोजन के लिए वितरिका नहर निर्माण हेतु. 	अावश्यकता है-डुमरभाटा उप	1343	0.040
The section of the se		1342	0.032
	ा निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, के कार्यालय में किया जा सकता	1339	0.032
हेत. हे.	क कावालय म किया जा सकता	1338/2	. 0.040
		1338/1	0.061
		1338/4	0.020
जांजगीर-चांपा, दि	नांक 5 मई 2003	1337	0.036
द्धप्रांक्ष ६४० /च्या-१ /च्या	त.—चूंकि राज्य शासन को इस		
	त.— पूर्व राज्य शासन का इस गिचे दी गई अनुसूची के पद (1)	1335/2	0.024
	में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	1305	0.024
	भू-अर्जन अधिनियम, 1894	1304	0.024
•	भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की घोषित किया जाता है कि उक्त	1389	0.008
ारा ६ के अंतगत इसके द्वारा यह मि की उक्त प्रयोजन के लिए अ		योग	0.930

- (2) सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—कटारी माइनर/ श्रीच माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चापा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 550/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

ं अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-छपोरा, प. ह. नं. 13
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.554 हे.

खसरा नम्बर	रकबा	
	(हेक्टेयर में)	
(1)	(2)	
1244	0.077	
1245	0.049	
1246/1	0.032	
1236/1 .	0.012	
1235/1, 2	0.085	
1224/1	0.016	
1225	0.065	
1234	0.032	
1247	0.004	
1233	0.036	
1226/1, 2	0.101	

(1)	(2)
1227	0.045
योग	0.554

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—होमा सब मायनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जोजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 551/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

189/1

- (क) जिला-जोजगीर-चोपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-मालखरौदा
- (ग) नगर/ग्राम-अइभार, प. ह. नं. 8
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-5,554 हे

(**/ (******* (************************		
खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)	
प्रायोजन : भागोडीह म	गइनर	
244/17	0.024	
244/19	0.089	
244/8	0.012	
203/3	0.073	
203/15, 16, 17, 18, 19	0.235	

1080 -	छत्तीसगढ राजप	त्र, दिनांक 16 मईं, 2003	[भाग।
(1)	(2)	(1)	(2)
193/6	0.012	21/7, 8	0.008
193/5	0.117	21/10, 11	0.085
192/3	0.117	21/2	0.061
193/2	0.073	21/1	0.077
193/3	0.004	22	0.069
193/1	0.032	23/3	0.020
194/1	0.004	23/4	0.117
122/2	0.008	23/5	0.154
122-/4	0.109	27	0.024
122/1	0.024 ,	<u></u> योग	3.826
122/5	0.141		
122/3	0.105	प्रायोजनः भाग	ोडीह माइनर-।
123/3	0.016	•	
121/3	0.069	121/1	0.101
121/1	0.057	124/8	0.020
121/5	0.032	124/31	0.057 0.057
121/6	0.218	130/21	0.024
121/4	0.032	. 130/7	0.073
116/1	0.004	130/14,19	0.002
116/2	0.004	125/13	0.004
115	0.344	130/20	0.101
114/5	0.101	130/3	0.057
114/6	0.040	130/22	0.077
106/1	0.040	131	0.052
106/2	0.129	130/16	0.081
105/1	0.093	132	0.077
104/1	0.149	130/1	0.002
	0.004	योग	0.785
124/3	0.004	,,,,,) . arr	गोडीह माइनर-2
104/3	0.141		(2)
16/1		(1)	0.004
16/2	0.053	16/4 .	0.125
16/4	0.057	21/7, 8	0.123

भाग ।] छत्तीसगढ़ राज	पत्र, दिनांक 16 मई, 2003	78874-7
(1)	खसरा नम्बर	रकबा
. 18 0.113		(हेक्टेयर में)
19/2 0.073	(1)	(2)
5 0.186	144/9	0.024
	144/8	0.081
4/2 0.057	144/4	0.056
3/4 0.040	150/7, 8	0.312
3/6 0.057	150/1	0.008
3/3 0.057	373	0.121
3/5 0.040	374	0.016
3/2 0.053	· 370/3, 4	0.138
3/1 0.053	369/1	0.016
4/4 0.085	369/2	0.069
0.943	380/1	0.016
	366	0.093
1 3.826	365	0.077
2. 0.785	380/3	0.024
3. 0.943	381	0.016
कुल योग <u> </u>	383/1	0.008
3.00	364	0.085
	362/1	, 0.049
सार्वजनिकः प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-भागोडीह माइनर,	362/2	0.065
ब्रांच माइनर । एवं 2.	359/1	0.113
भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	358/9	0.089
इसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता	358/13	0.012
कें	358/12	0.012
	358/15	0.053
	358/11	0.053
जांजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003	<u>144/5</u> धोग	0.004
क्रमांक 552/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस		1.610
का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)	67/2 67/4	0.109
र्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	67/5	0.061 0.036
िलः, आवश्यकता है, अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 गिक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की	67/1 ग	0.053
1981 । सन् 1894) सरागियत भू-अजन आधानयम, 1984 का 16 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त	67/1 घ	, 0.125
की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :	79/4	0.065
•	79/2	0.109
अनुसूची	81	0.053
मृमि का वर्णन-	55/9, 10, 11	0.113
भून का वणनः (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ)	55/6, 7, 8	0.121
(ख) तहसील-मालखरीदा	56	0.061
(ग) नगर/ग्राम-सकरीं, प. ह. नं. 1	44/1	0.069
(घ) लगभग क्षेत्रफल-4.014 हे.	43	0.028

(1)	(2)	खसरा नम्बर	रकबा (केन्स्सर के)
46/1	0.040		(हेक्टेयर में)
46/2	0.121	(1)	(2)
46/3	0.024	86/2	0.307
गेग	1. 1 88	85/3	0.036
373	0.012	87	0.283
374	0.077	88/1	0.121
375/6	0.044	120	0.138
375/4	0.004	123/3	0.024
373/3	0.040		
375/2	0.036	119	0.141
375/5	0.085	118	0.153
389	0.012	117	0.028
390/1	0.032	89	0.032
390/2, 3, 4	0.174		
398/2	0.028	90/1	0.028
398/4	0.061	90/2	0.032
398/1, 5	0.255	116	0.093
400/1, 2	0.032	88/2	0.093
415/3	0.089		
415/2	0.154	126/2	0.125
434	0.081	114	0.060
गिग	1.216	88/476	0.125
1. 1.610		 योग	1.819

 3.
 1.216

 योग
 4.014

2.

(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-कटारी मायनर.

1.188

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जॉजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003ं

क्रमांक 553/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (!) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-बोकरेल, प. ह. नं. 1
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.819 हे.

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—डूमरभांता उप वितरक.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक ५ मई 2003

क्रमांक 554/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- 1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जाजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-कटारी, प. ह. नं. 2
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.543 हे.

भाग 1]	OVERTING ASSET	, दिनांक 16 मई, 2003	
खसरा नम्बर	रकबा	(1)	(2)
(1)	(हेक्टेयर में) (१)	29	0.113
708/1	(2) 0.093	30/4	0.061
716	0.161	31/1	0.077
715	0.008	31/2	0.024
671	0.060	44/4	
672/2	0.016	45/3	0.081
668/3, 4	0.060	46/3	0.008
669/1	0.048	66/2	0.032
670	0.097	46/1	0.053
		50/1 क	0.033
iग [.]	0.543	56/2	0.103
?) सार्वजनिक प्रयोजन के लि	ए आवश्यकता है-करिगांव मायनर,	56/1	0.032
•		57/1	•
	का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,		0.077
हसदव पारयाजना जाजग है.	ीर के कार्यालय में किया जा सकता	61/1	0.020
હ.		65/2	0.012
		66/1	0.041
जॉजगीर-चांपा,	दिनांक 5 मई 2003	73/1	0.012
क्रमांक ऽऽऽ/सा-।/सात.—चृंकि राज्य शासन को इस		73/8	0.016
	सात.—चूक राज्य शासन का इस के नीवे दी गई अनुसूची के पद (1)	73/2 क	0.093
वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन		योग 	1.072
लिए आवश्यकता है. अ	तः भू-अर्जन अधिनियम, 1894		
	त भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की		चि सब माइनर
स ६ के अंतगत इसके द्वारा में की उक्त प्रयोजन के लिए	यह घोषित किया जाता है कि उक्त	44/2	0.028
न का उपस प्रयामन का (छप	, आवरवकता ह :	45/3	1
• अन्	<u>नु</u> सूची	39/1	0.040
		127/2	0.081
) भूमि का वर्णन-		109/1	0.053
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) (ख) तहसील-मालखरौदा (ग) नगर/ग्राम-बरभांठा, प. ह. नं. 16 (घ) लगभग क्षेत्रफल-1,938 हे.		109/2	
			0.089
		110/4	0.036
		110/1	0.081
ख्सरा नम्बर	रकवा .	110/7	0.045
	ं (हेक्टेयर में)	125/1	0.097
(1) बरभांट	। सब मायनर	125/4	0.101
(1)	(2)	126/2	
27/1	0.004		0.073
100		126/1	0.071

126/1

127/1

योग

0.036

0.085

0.041

0.004

0.073

0.069

0.866

106

28/4 ख

28/4 क

28/1

(1)	1.072
(2)	0.866
कुल योग	1.938

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—बरभांठा सब मायनर + ब्रांच सब मायनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 556/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (l) भूमि का वर्णन-
 - (क) ज़िला-जाजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरीदा
 - (ग) नगर/ग्राम-चन्देलाडीह, प. ह. ने. 21
 - (घ) लग्नभूग क्षेत्रफल-0.950 हे.

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
. (1)	(2)
169	0.060
168/1	0.072
167/1	0.060
166/1	0.064
161/1	0.068
158/4	0.129
153	0.121
148	
147	0.072
137	0.048
136	0.064
139/1	0.068
138	0.068

(1)	(2)
177/1	0.056
177/1	
योग	 0.950

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-करीगांव माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जाजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जाजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 557/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-पिहरीद, प. इ. नं. 4
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.309 है.

खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
525/2	0.045
525/4	0.065
538/19	0.230
1445/2	0.036
1445/3	0.049
1453	0.016
1435	0.077
1474/2	0.032
1474/1	0.036

(1)	. (2)
1475/1 ख	0.077
1475/4	0.040
1475/6 ख	0.045
1475/6 क	0.028
1475/11	0.081
518/2	0.012
1519	•
1520/1	
1521	0.312
1522	••
1523/2	-
1519/7	•
1520	0.057
1521/4	
1523/1	0.049
1519/2	0.117
1517/1	0.032
1514/1 -	0.069
1513	0.283
1505	0.032
1503	0.020
1504	0.073
1509/2	0.097
1507	0.053
1495/1	0.246
T	2.309

- (2) सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—भूतहा ब्रांच सब मायनर
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जीजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जाजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 558/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम. 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:——

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जोजगीर-चोपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-भूतहा, प. ह. नं. 4
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.457 हें.

•	
खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
318	0.024
418	
317 -	0.061
306	0.032
307	
316/2	0.049
308/2	0.016 .
308/3	0.121
308/4	0.089
308/1	0.065
योग	0.457

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-भूतहा ब्रांच सब मायनर,
-) (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

[086	छत्तीसगढ राजपत्र,	दिनांक !6 मई, 2003	[भाग।
जांजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003		(1)	(2)
	Shorter way in the contract of		0.020
क्रमांक 559/सा-1/स	ात.—चूंकि राज्य शासन को इस	602/1	0.012
बात का समाधान हो गया है कि	नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)	581/16	0.028
में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2)	भे उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	603	0.004
के लिए आवश्यकता है. अत	ाः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 । भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की	598/11	0.069
्रामाक । सन् १६४४) संसापत शाम ६ के अंतर्गत इसके द्वारा य	ह घोषित किया जाता है कि उक्त	573/2	0.077
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है :—	597/4	0.032
		596	0.045
' अनु	,सूची	581/8	0.057
	•	581/9	0.004
(1) भूमि का वर्णन-	\(\text{\constraint}\)	580/1	0.024
	riu (छत्तीसगढ़) टा	573/4	0.065
, · -		571/2	0.045
	(ग) नगर/ग्राम-नवापारा, प. ह. ने. 12 (घ) लगभगं क्षेत्रफल-1.860 है.		0.073
		547/2, 3 547/1, 5	0.004
खसरा नम्बर	रकबा क्षेत्रकार २ ४५	543	0.032
4.5	(हेक्टेयर में) (2)	532/3	0.004
(1)	0.028	532/2	0.012
25/2	0.012	532/6	0.040
22/2	0.109	532/7	0.040
26/2		532/1	0.024
36	0.077	552	0.032
37/1	0.057	532/8	0.028
37/2	0.085	योग	1.860
37/3	0.045		
598/1	. 0,043	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के ि	लए आवश्यकता है-नवापारा सब
600/2	0.077	मायनर.	
38/1	. 0.085		का विक्रिया। ११-थर्जन अशिकारी
38/3	0.045	(3) भूमि का नक्शा (प्लीन) स्कोटन क्रिगोजना जोजर	का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, ीर के कार्यालय में किया जा सकता
38/2	0.043	हसदव पारवाजना जाजा है.	4
38/4	1	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•
598/9	0.061		
	595/2 0.057		, दिनांक 5 मई 2003
599/2	0.016		
590/4	0.061	क्रमांक 561/सा-1/ 	'सात.—चूंकि राज्य शासन को इस
599/3	0.073	बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोज	
599/4	0.016	म वाणत भूगम अनुसूचा क पद	(४) न उल्लाखत सापणानमा प्रचाणन

0.040

0.004

0.016

0.016

600/1

598/8

601

602/2

581/4

क्रमांक 561/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि टक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

		બનુ સૃ	्षा		
(1)	भूमि व	का वर्णन-			
	(क)	जिला-जोजगीर-चांप	ा (छर्त	ोसगढ)
	(ख)	तहसील-मालखरौदा			•
	(ग)	नगर/ग्राम-बीरभांठा	, प. ह	. 1 . s	•
	(ঘ)	लगभग क्षेत्रफल-0.2	74 हे.		
•					ज ा
49	ासरा न	म्बर -		(रकबा हेक्टेयर में)
	(1)				(2)
	13/4	,	,		, 0.069
	13/1	1			0.048
	11/3	1		•	0.109
	21				0.048
योग				r	0.274

- (2) सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-कुरदा वितरक नहर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता हे.

जांजगीर-चापा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 562/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जून अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्नन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :— .

अनुसूची

(1)	भूमि	का वर्णन-
	(क)	जिला-जोजगीर-चोपा

- n (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-मालखरौदा
- नगर/ग्राम-छतीना, प. ह. न. 9
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-७.784 है.

रकबा
(हेक्टेयर में)
(2)
0.097
. 0.036

	0.784
50/8	0.008
50/11	0.012
50/4	0.078
50/3	0.044
50/12	. 0.142
50/1	0.170
42/11	0.032
42/10	0.165
(1)	(2)

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-कुरदा वितरक
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जाजगीर के कार्यालय में किया जा सकता €.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 564/सा-1/सात.--चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जीजगीर-चीपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-बड़े सीपत, प. ह. नं. ४
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.629 हे.

•	
खसरा नम्बर	रकना
	(हेक्ट्यर में)
(1)	(2)
1096/5	0.024
435/3	
181, 182,	0.064
183	-
184/7	0.049
188/3	0.004
356/4	0.068

(1)	(2)	(1)
348/5	0.008	30/2
352		485
348/3	0.105	· 17
352		140/6
348/4	0.086	153/2
352		182
356/9	0.056	209/3
351/3	0.020	1/1
351/5	0.020	209/1
380/2 ग	0.048	161/2
. 330/3	0.056	779/2
356/2	0.021	779/8
ोग गेग	0.629	779/9
		779/4

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—कुरंदा वितरक नहर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जीजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 565/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शास्त को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में विर्णत भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू:अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरीदा
 - (ग) नगर/ग्राम-छोटे सीपत, प. इ. नं. 5
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.546 हे.

खसरा नम्बर	रकवा
	(हेक्ट्रेयर में)
(1)	(2)
199	0.149
30/1	0.121

(1)	(2)
30/2	0.089
485	0.101
· 17	0.020
140/6	0.012
153/2	
182	0.263
209/3	0.004
1/1	0.076
209/1	0.052
161/2	0.020
779/2	0.534
779/8	0.020
779/9	0.498
779/4	0.089
779/7	0.498
ग्रेग	2.546

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-कुरदा वितरक नहर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है

जांजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 566/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह धोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-अड़भार, प. ह. नं. 8
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1,600 है.

खसरा नम्बर	रकबा
(1)	(हेक्टेयर में) [^] (2)
203/4	0.364
177/1	. 0.202

(2)	सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है—बड़े देवगांव
	माइनर.	

0.028

1.600

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जाजगीर-चापा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 567/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की घारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

162/2

153/2

योग

- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-मालखरौदा
- (ग) नगर/ग्राम-अड़मार, प. ह. नं. १
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.777 हे.

खसरा नम्ब	र	रकबा
	• 1	(हेक्टेयर में)
(1)	ζ.,	. (2)
246	•	0.340
248/2		0.028
249/1		0.239
249/2		0.142
250/1	•	0.028
योग		0.777

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-कटारी माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जीजगीर-चौपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 568/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जाजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-जैजैपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-डोगिया, प. ह. नं. ४
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.209 हे.

खसरा नम्बर	र क बा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
531/1	0.044
531/2	
532	0.165
योग	0.209

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—करीगांव माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

1090	छत्तीसगढ राजपत्र,	दिनांक 16 मई, 2003	् भागः।
जांजगीर-चांपा, दिन	iक 5 मई 2003	(1)	(2)
•	, ,	319/1	0.036
	—चूंकि राज्य शासन को इस	323/2	
तात का समाधान हो राया है कि नी	,	319/4	0.049
ों वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में		223/3	
के लिए आवश्यकता है, अतः १ क्रमांक ! सन् 1894) संशोधित भृ		385/1	0.028
क्रमाना । सन् 1894) सरागिता नृ गारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घ		385/2	0.020
र्मि की उक्त प्रयोजन के लिए आव		386	. 0.024
			0.024
अनु सू च	भी े	387.	·
		- 382	
 भूमि का वर्णन- 		383	0.049
(क) जिला-जीजगीर-चोपा	(छत्तीसगढ़)	384	
(ख) तहसील-मालखरौदा		381/1, 2	0.032
(ग) नगर/ग्राम-कटारी, प.(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.488		356	•
(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.488	₹ 6.	389	0.105
खसरा नम्बर	रकबा	357	0.045
	(हेक्टेयर में)	355	0.008
कटारी मा		353	0.008
(1)	(2)	358	0.045
249/3	0.032	352	0.032
249	0.004	359	0.053
249/1	0.081	351/1	0.109
256/2	0.004	351/2	0.093
257/1, 2, 5	0.028	350/3	
257/4	0.048		0.109
424/1	0.032	योग	1,458
424/2, 3	0.032		
263	0.004	कटारी म	ाइनर-6
265/1	0.028	356	0.020 .
265/3	0.008	389	
265/2	0.004	371/1	0.093
423/2	0.020	371/3	0.075
423/1	0.004		. 0.012
423/3	0.004	374/1	0.012
267	0.053	371/2	0.016
268/2	0.004	373	0.032
268/1	0.004	372	0.012
315	0.109	331/6	0.020
314	0.049	, 331/4	0.032
320		331/5	0.024
321	0.004	174/1	0.024
319/2	0.032	173/2	0.028
J17/ 6 }	0.032		

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 16 मई, 2003	छत्तीसर.ढ	र.जपत्र,	दिनांक	16	मईं,	2003	
---------------------------------------	-----------	----------	--------	----	------	------	--

भारत]	1/2 ha	21 1
(1)	जीजगीर-चोपा, दिनोक 5 मई 2003	
172/3 0.020		
172/1 0.024	क्रमांक 570/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को	
141/2 0.004	बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद	
139/2 0.049	में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रय	
139/1, 3 0.004	के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम,	
138/1, 2 . 0.040	(क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984	
136/2 0.020	धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि	उक्त
121 0.004	भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—	
135/2 0.012	अनुसूची	
135/3 0.028	ડાંગુર _્ લા	
134 0.028	(1) भूमि का वर्णन-	
135/1, 5 0.008	(1) भून का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)	
132/1 0.049	् (ख) तहसील-मालखरौदा	
132/2 . 0.016	(ग) नगर/ग्राम-संकर्रा + संकर्री, प. ह. नं. 7	
132/3 0.020	(घ) लगभग क्षेत्रफल-6.303 हे.	
132/4 0.008		
131 0.028	खसरा नम्बर ् रकबा	
योग 0.683	ं (हेक्टेयर में)	
0.003	कटारी माइनर	
प्रायोजन : कटारी माइनर- <i>1</i>	(1)	
91/2 0.040	1108 0.036	
91/1 0.028	1109	
91/5 0.012	1111/2, 4	
91/5 . 0.008	1106 0.016	
	1124 0.040	
·	1112 0.028	
· ·	1123 0.004	
82 0.036		
81/1 0.053	0.032	
91/7 0.016	1116 0.004	
91/8, 10 0.016	1117 0.036	,
93/2 : 0.049	1118 0.036	
93/1, 3 0.004	1119 0.004	
95 0.045	1120 0.024	
योग 0.347	1115 0.028	
•	1152 0.049	
कटारी माइनर - 1.458	1153 0.028	
ब्रांच माइनर - 0.683	1157/1 . 0.036	
ब्रांच माइनर १ - 0.347	1157/2 0.049	
कुछ योग	1157/3 9.081	
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-(1) कटा	1158	
माइनर (2) ब्रांच माइनर नं. 6 (3) ब्रांच माइनर नं. 7.	1196 0.076	
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकार्र		
हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकत		
જે.	1216 0.012	

1092 छत्तीसगढ र		पत्र, दिनांक 16 मई, 2003	[भाग
(1)	(2)	(1)	(2)
1215/1	. 0.008	1441	0.016
1215/2	0.008	885/1	0.105
1215/3	0.008	877	0.012
1217	, 0.004	878	0.101
1210	0.040	· 879	0.024
1707	0.024	881/1	0.053
1706/1, 2	0.073	883/1, 2	0.109
1205	0.032	1473/1	0.008
1259/1, 2	0.028	1473/2	0.061
1204	0.073	1472	0.036
1187/2	0.012	1470	0.028
1260/3	0.004	1474/1	0.085
1261	0.057	1474/2	0.040
1177	0.016	1484/3, 4	0.093
1262/3	0.073	1484/1	, 0.012
1178/2	0.012	147,9	0.012
1176/4	0.004	1486/2, 4	0.113
1262/6	0.036	1486/6	0.137.
1375/2	0.093	1486/3	0.089
1375/5	0.008	योग	3.551
1375/4	0.065	. ब्रांच माइ	 इनर-।
1373	0.036		
1376	0.016	400	0.048
1372	0.065	401/1	0.049
1368/2	0.016	401/2	0.020
1368/1	0.049	396/2	0.020
1369/3	0.012	396/4	0.032
1369/2	0.036	395	0.093
1370	0.036	394	0.065
1340/2, 3	0.190	387	0.032
1340/4	0.085	386	0.057
1339	0.053	381/2	180.0
1336/1	0.093	380	0.069
1334/I	0.004	377/3	0.069
		376/1	0.069
कटारी माइनर 🛚	I		
1334/2, 3	0.020	376/4	0.040
· 1323/1	0.117	432	0.101
1324	0.085	438/1, 3, 5	0.053
886/8	0.057	439	0.073
886/7	0.008	योग	0.971

(2) 0.053 0.045 0.004 0.069 0.024 0.028 0.016 0.028 0.049 0.085

कटारी ग	गाइनर ४	(1)
(1)	(2)	851/4
1108	0.049	851/3
1107/1	0.020	855/1
1106	0.077	854/1, 2, 3
1105	0.049	831/1
1100/5	0.077	830
1100/1	0.004	858/1, 2
1100/3	0.085	858/3
1100/2	0.012	859/2
1100/4	0.044	860
475/2, 3, 4	0.048	योग
475/1	0.049	
योग	0.514	(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश
	***************************************	बीच मायनर । बोच मादनर ४ व

प्रकरण क्रमांक 357/अ-82/02-03 ग्राम सकरीं, प. ह. नं. 7, तहसील-मालखरीदा 355/8 0.020 355/4 0.004 355/1 0.020 356 0.056 योग 0.109 व

ब्रांच माइनर 5				
1324		0.016		
886/8		0.49		
886/2	•	0.036		
894/1		0.053		
894/3		0.125		
905/1		0.057		
905/2		0.012		
907		. 0.036		
910/2		0.049		
910/1		0.069		
906		0.004		
908/3		0.004		
909/1		0.065		
849/1		0.049		
849/2		0.040		
850/2		0.077		
850/1		0.004		
851/2		0.012		

- सार्वजिनक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—कटारी मायनर, ब्रांच मायनर 1, ब्रांच माइनर 4. ब्रांच माइनर 5.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी. इसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जॉजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 571/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जाजगीर-चापा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरीदा
 - (ग) नगर/ग्राम-सुलोनी, प. ह. नं. 2
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.248 हे.

खसरा नम्बर	रकवा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
827	0.080
829	0.218
837/2	0.036
838	0.056
836	0.024

1094	छत्तीसगढ राज	पत्र, दिनांक 16 मई, 2003
(1)	(2)	(4)
833/1	0.044	1011
809/2	0.113	1010/2
810/1, 2	0.097	योग
806	0.238	
802/2	0.072	(2) सार्वजनिक प्र
802/1	0.040	माइनर,
802/4	0.085	(3) भूमिकानकः
799/1, 2	0.101	इसदेव परियो
856/1	0.016	€.
780/1	0.016	
830/2	0.012	ভাত
योग	1.248	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-कारीगांव माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जाजगीर-चांपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 572/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अध्विनियम, 1894 (क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :---

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
- (ख) तहसील-मालखरौदा
- (ग) नगर/ग्राम-भठोरा, प. ह. नं. 3
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.291 हे.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
1009/1	0.154
1009/1 1009/2	
1010/1	0.036
1012/3	0.069

(1)	(2)
1011	0.016
1010/2	0.016
	0,291

[भाग ।

- सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—सतगढ़ सब माइनर, 🕠
- 3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में किया जा सकता

जाजगीर-चोपा, दिनांक 5 मई 2003

क्रमांक 573/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारां यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :---

- भूमि का वर्णन-
 - ·(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ)
 - (ख) तहसील-मालखरीदा
 - (ग) नगर/ग्राम-पिकरीपार, प. ह. नै.
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.263 है.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	. (2)
231/3	
231/5	0.093
231/10	,
231/2	0.040
231/4	0.004
235	0.061
236	0.004
238/1	
238/3	
238/4	0.061
238/9	
योग	0.263

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-कटारी माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भ्-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता

भाग ।]	छत्तीसगढ राजपन	दिनाक 16 मई, 2003	1095
• जाजगीर-चांपा, f	देनांक 3 मई 2003	(1)	. (2)
		384	0.097
क्रमांक 452/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस		386/1, 2	0.020
बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन			-
	म उल्लाखत सावजानक प्रयाजन : भू-अर्जन अधिनियम, 1894	809	0.057
	भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की	810	0.020
	ह घोषित किया जाता है कि उक्त	811/7	
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	आवश्यकता है :	811/5	0.004
	·	812	0.150
अनु	सूचा .	828	.0.061
(1) भूमि का वर्णन-			
(n) नून जा प्रणन (क) जिला-जीजगीर-ची	पा (छत्तीसगढ)	827/4	0.045
(ख) तहसील-मालखरौद		827/3	0.020
· (ग) नगर/ग्राम-नौरंगपुः		827/2	0.069
(घ) लगभग क्षेत्रफल-3.	350 हे.	831	0.028
खसरात्नम्बर	रकबा	870	0.166
Zivivii ji ili	(हेक्टेयर में)	869/3	* 0.004
भोथीडीह		7m	•
(1)	(2)		0.002
206/1	0.057	871/2	0.081
207	0.138	871/1	0.008
277/1	0.065	773	0.008
277/2	0.020	772	0.061
276	0.032	770	0.040
274	0.040		
275	0.040	769/3 ख	0.002
260/2	0.065	.769/3 ग	0.057
258/2	0.040	872	0.125
257/5	0.162	योग	2.748 .
256/2	0.077	- Charles	माइनर-2
304/2 ग	0.061		`
304/3 304/1	0.053	206/1	0.065
304/1 304/2 वह	0.053	205	0.028
309/I	0.057 0.077	204	0.036
311	0.109	200	0.024
318	0.012	201	0.036
312	0.012	196/4	0.077
313	0.016	योग	0.266
316	0.016		
315	0.105		माइनर-3
385/2	0.077	763/2	0.004
385/1	0.138	764/3	0.130

1096	्छत्तीसगढ राजपत्र,	दिनांक 16 मई, 2003	[भाग।
(1)	(2)	(1)	(2)
769/2 ख	• 0,085	446/6	0.049
769/2 क •	0.024	446/5	0.057
769/2 ग	0.008	446/1	0.045
872	0.085	377/1 再	0.125
पोग	0.336	446/7	0.028
1. 2.748		445	0.032
2. 0.266 3. 0.336		375/1	0.077
योग 3.350		443/1	0008
2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यक	चाहे शामीटीर मादरर		0.105
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यक ब्रांच माइनर 6 एवं 7.	ાતા હ—માનાહાલ નાશ્નાર,	374/2	
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्ष	ण भ-अर्जन अधिकारी	376/2	0.000
हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्या	लय में किया जा सकता	377/1 উ	0.032
है.		413	0.065
•		380	0.069
जांजगीर-चांपा, दिनांक ३ म	मई 2003	381	0.061
		382/3	0.049
क्रमांक ४६३/सा-।/सात.—चूरि	के राज्य शासन को इस	. 384	0.016
बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी न	गई अनुसूची के पद (1)	382/4	0.040
भे वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेर्जि के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अव	खत सावजानक प्रयाजन र्नेज आधानियम । १९०४	383/2	0.028
क 1लए जावश्यकता है. जतः मू जर् (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जः	त अधिनियम, 1984 की	383/3	0.008
धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित	किया जाता है कि उक्त	383/1	0.089
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यक	ता है :	358/1	0.036
ar ruell		357	0.089
अनुसूची		355/2	0.008
(1) भूमि का वर्णन-			0.077
(क) जिला-ज़ोजगीर-चोपा (छत्ती	सगढ़)	355/1	0.040
(ख) तहसील-मालखरौदा		●351	
(ग) नगर/ग्राम-कलमी, प. ह. न	t. 5	352	0.012
(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.560 है.		योग	1.560
खसरा नम्बर	रकबा		- किल् क्यानाम्य है सार्वासी
	(हेक्टेयर में)		हिल्ए आवश्यकता है—सारसडोल
(1)	(2)	मायनर.	
448/4	0.158	(२) भूमि का नक्शा (प्रतान	ा) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी
449/2		इसदेव परियोजना जीव	ागीर के कार्यालय में किया जा सकत
447/3	•	8 .	
448/5	0.036	ζ.	
449/3			
447/2		जांजगीर-चांप	n, दिनांक 3 मई 2003
448/3	0.036		
	41484		/सात.—चूंकि राज्य शासन की इर
449/1	0.008		कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1
453/12		में वर्णित भूगि अनुसूची के पव	(2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोज
446/4	0.049	के लिए आवश्यकता है.	अतः भू-अर्जन अधिनियम, 189
377/1 च	0.028	(क्रमांक 1 सन् 1894) संशो	धित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की

धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-डोमा, प. ह. ने. 13
 - (च) लगभग क्षेत्रफल-0.816 हे.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(हक्ट्यर म) (2)
146/1	0.089
146/2	0.032
146/3	0.004
147/3	0.028
147/1	0.024
146/7	0.004
137/1	0.016
137/2	0.004
136/1	0.041
136/6	0.057
176/3	0.032
176/1	0.036
176/4	0.004
176/9	0.073
176/2	0.077
229	0.004
176/6	0.041
230/1	0.041
230/2	0.004
231	0.008
235	0.004
233	0.036
241	0,032
242	0.032
245/1	0.069
252	0.024
योग	0.816

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—डोमा सब माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक 478/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगद)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-सतगढ़, पं. ह. नं. 3
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.109 हे.

खसरा नम्बर	रकबा
	ं (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
692/2, 3	0.109
योग	0.109

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—सतगढ़ सब माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी. हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक ३ मई 2003

क्रमांक 479/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूनि का वर्णन-
 - (জ) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरीदा
 - ग) नगर/ग्राम-लिमतरा, प. ह. नं. 10
 - (घ) लगण्य क्षेत्रफल-1.075 हे.

	/anta 1 717 1001/ atm/0	म भा अपनी अधिकार १००४ की
खसरा नम्बर रकबा (हेक्टेयर में)		त भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की ग्रह घोषित किया जाता है कि उक्त
(1) (2),	भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए	
803 0.113	•1	
804	अन्	रसूची [']
799/1 0.071		
799/2 0.020	(1) भूमि का वर्णन- (क) जिला-जांजगीर-च	र्गण (सनीस्थाट)
797/1 0.014	(ख) तहसील-मालखरी	
798 0.093	(ग) नगर/ग्राम-करीगा	
793 0.018	(घ) लगभग क्षेत्रफल-3	3.376 हे.
794 0.034	************************************	77771
792 0.036	खसरा नम्बर	़ रकबा (हेक्टेयर में)
791/4 0.069	(1)	(2)
791/5 0.070	1217/1	0.129
791/2 0.101	1216/2	0.020
822 0.030	1216/4	0.028
823 0.057	1216/3	0.097
826/1 0.073	1216/5	0.165
826/2 0.005	1217/2	0.174
828 0.117	1122	0.048
908 0.018	1223	
914 0.020	1118	0.068
888 .′ 0.039	1126	0.028
889 0.032	1086	0.056
890 0.032	1117/5, 6	
891 0.002	1089/1	0.068
913	1090	0.076
992 0.010	1091	0.125
851 0.001	. 1078/1 घ	0.068
স 1.075	1078/1 ग	0.032
	1078/5	0.028
) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता हैभागोडीह मा	इनर. 1078/2 क	0.064
) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधि	कारी,	0.198
हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा स	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
है.	i078/2 ख	0.072
•	972	0.004
	973/1	0.093
जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003	973/2	0.117
क्रमांक ४८०/सा-।/सात.—चूंकि राज्य शासन के	ो इस ⁹⁷⁰ .	0.056
ात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पव	-	0.080
वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रय	गोजन 980/1, 2	0.105
लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम,	1894 981	0.105

(1)	(2)
985	0.012
984	0.052
982	0.052
895	0.072
889/1	0.068
888/3	0.068
888/2	0.080
881/1	0.060
880/2	0.165
880/3	0.040
874/1	0.040
880/1	0.145
879/1	0.072
879/2	0.105
675/3	0.048
679	0.056
680	0.093
681	•
977	0.044
योग	3.376

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-करीगांव माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जोजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जाजगीर-चापा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक 481/सा-1/सात.—चूंिक राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-पिहरीद, प. ह. ने. 4
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.650 हे.

- खसरा नम्बर रकबा (हेक्टेयर में) (1) (2) 2048/1 0.016 2049/1 0.190 2049/2 0.012 2050 0.053 2053/1 0.036 2052/2 0.044 2103 0.059 2105/1 0.004 2107/2 0.020 2108 0.040 2109/2 0.081 2110/1 0.065 2099/2 0.004 2055 0.016 योग 0.650
- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—बड़े सीपत सब माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक 482/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का संगाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उकत भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरीदा
 - (ग) नगर/ग्राम-आमाडुला, प. ह. नं. 3
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.009 हे.

खसरा नम्बर	रकवा	धार
	(हेक्टेयर में)	भूमि
(1)	(2)	
91/1	0.056	
91/2	0.040	(1)
98	0.064	(-/
97/2, 3	0.032	
97/1		
99/2	0.048	
99/7		٠ ;
89/1	0.056	
67/1	0.052	
67/2	0.048	
66	0.028	
64/1, 2	0.089	
56/1, 2, 3	0.060	
36	0.008	
55/1, 2	0.064	
53/1, 2	0.060	
1205/3	0.060	
1209/1, 2, 3	0.024	
1208/1 ख	0.056	
1208/1 म	0.036	
1207	0.008	
1206/2	0.040	
1208/1 奪	0.040	
1206/1	0.040	
T	1.009	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—आमनदुला सब माइनर-3.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जाजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक 483/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :---

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-खरताल, प. ह. नं. 9
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.551 हे.

ं खसरा नम्बर	रकेबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
55/3	0.024
55/1	0.231
74/1	0.028
73/2	0.028
58/2	0.109
78	0.238
60	0.044
69/2 .	0.356
69/3	0.122
98/2	0.085
98/1	0.004
69/1	0.048
43	0.007
106	0.032
38/1	· 0.015
36/1	0.027
30/1	0.041
44/1, 2	0.011
44/3	
37	0.101
योग	1.551

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-कुरदा वितरक नहर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक 484/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-सोनादुला, प. ह. नं. 2
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.101 हे.

' खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1)	(2)
910/1, 2	0.122
912/1, 4	0.068
915,	0.076
951	0.105
956	0.028
949	0.048
948	0.064
945	0.076
946	
943/2	0.097
942	0.060
963	0.020
964	0.044
965/1	0.048
936	0.121
935	0.040
947	0.024
942/1	0.060
योग	1.101

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—करीगांव माइनर / कुरदा वितरक.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक 485/सा-1/सात.—चृंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम. 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छर्त्तासगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-औरदा, प. ह. नं. 2
 - (घ) लगंभग क्षेत्रफल-1.566 हे.

खसरा नम्बर			रकबा
			(हेक्टेयर में)
(1)			(2) •
140/1	•		0.020
140/2			0.040
140/3			0.040
194/1			0.061
194/2			0.049
190/3	. [0.036
195	İ		•
192/2	1		0.012
193/1	i		
191/2			0.020
190/1		. •	0.069
190/2		·	0.097
189			0.036
197/1			0.012
197/2			0.081
206			0.008
197/3			0.016
204/2	1		0.064
205/1	1		
204/1			0.040
203			0.081
310			0.028
274			0.040
270/1			0.016

छ	त्तीसगढ	राजपत्र,	दिनांक	16	मई,	2003
					•	

	ਜੇ 2
(1) (2) (ग) नगर/ग्राम-चंदेलाडीह, प. ह.	1. 2
276 0.040 (घ) लगमग क्षेत्रफल-3.333 हे.	
270/2 0.028	
खसरा नम्बर 277 0.040	रकबा (हेक्टेयर में)
279 0.012 (1)	(2)
280 0.020 279	0.080
281/1 0.081 278/4	0.129
282/4 0.045 278/2	0.085
286/2 4 0.032 277/2	0.153
285/1 0.028 277/1	0.032
287 0.036 284/2	0.016
288 0.016 286/2	
291 0.016 287/1	0.109
290 0.032 287/2	0.064
293/1 0.069 294	0.206
441 0.008 i84/i	0.052
442 0.056 185/1	0.012
439 0.069 _{184/2}	0.101
440	0.016
436/2 0.028 181/2, 1	0.117
433 0.028 ₁₇₈ .	0.125
275 0.016 177/1, 2	0.105
योग 1.566 176/1	0.198
175/174	0.137
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—भागोडीह माइनर. 173/1	0.072
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,	0.028
हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता 110/2	0.020
है. • 111/1	0.105
. 93/2	0.198
जाजगीर-चापा, दिनांक 3 मई 2003 931/4	
92/2	0.080
क्रमांक 486/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)	0.044
में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन	0.040
के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 92/4	0.068
(क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की 34/1	0.178
धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त	0.072
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है : 34/3	0.012
अनुसूची • 35/1, 2	0.008
42/4	0.206
1) भूमि का वर्णन-	0.105
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) 44/1	0.068
' (ख) तहसील-मालखरौदा	0.040

(1)	(2)
48	0.032
49/1	0.048
50	0.024
5 .	0.044
51/1	0.016
116	0.068
41	0.020
ोग	3.333

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है-करिगांव माइनर.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चोपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक 490/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-अमेराडीह, प. ह. नं. 4
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.234 हे.

	<i>t</i>
खसरा नम्बर	रकबा
	(हेक्टेयर में)
(1) -	(2)
616	0.008
617/1	0.117
618/1	0.109
योग	0.234
	

- (2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—भूतहा ब्रांच सब माइनर-I.
- (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 3 मई 2003

क्रमांक 491/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:—

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-मालखरौदा
 - (ग) नगर/ग्राम-छपोरा, प्र. ह. नं. 13
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.930 हे.

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
1082	0.016
1075	0.053
1071	0.024
1083/1	0.024
1084	0.004
1085	0.057
1066	
1067	0.004
1078	0.073
1077	0.004
1074/1	
1074/2	0.008
1074/3	•
1073/1	0.206
1073/2	
1072	0.020
1070	0.024
1069/2, 4	0.016

· 1104	इत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 16 मई. 2003	[भाग ।
(1)	(2) (1)	. (2)
1069/3, 5	0.012 676	0.065
1068/4	0.032 956	0:016
1068/3	963/1	0.012.
857/3	0.077	0.239
857/4	0.122	0.097
858/1	0.069	
857/2	675/1 0.004	0.016
856/2	0.036	0.024
855/1	0.004	0.040
योग ।	0.930 674/2	0.040
	673/1	0.061
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता	है–छपोरा सब	0.016
माइनर.	673/2	0.032
(1)	703	0.045
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अ हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में वि		0.008
₹.	704	0.085
·	710/1	0.057
•		
जांजगीर-चापा, दिनांक 3 मई 2003	710/3	0.057
	.709 marr a) zu	. 0.065
क्रमांक 492/सा-1/सात.—चूंकि राज्य बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुस्	7037 1	0.049
में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्व		
के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधि		0.053
(क्रमांक । सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनि धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जा	716 / 2	0.028
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :		,
· ·	718/1	180.0
अनुस्ची	717/1	
(1) भूमि का वर्णन-	719/4	0.053
(क) जिला-जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)	718/2	0;028
(ख) तहसील-मालखरौदा (ग) नगर/ग्राम-छपोरा, प. ह. नं. 13		•
(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.541 हे.	720	0.008
	721/3	0.016
	कवा * 716/1 ट्यर में) *	0.016
·	2) 721/5	0.008
	721/2	0.101

भाग ।]	छत्तीसगढ़ राजपः	न, दिनांक 16 मई, 2003	1105
(1)	(2)	(1)	(2)
764	0.065	, 60/1	0.251
766/1_	0.016	152	0.004
762	0.024	153/1	0.008
योग	1.541	153/2	0.514
(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है—अचरीतपाली सब माइनर.		342	0.154
		344	0.044
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, इसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता		160	0.393
		161/2	0.028
€.	, जन्म जा समिता	162	0.279
जोजगीर-चांपा, <mark>दि</mark> नांक 3 मई 2003		172/1	0.219
		157/2	0.002
क्रमांक 504/सा-1/सात.—चूंकि राज्य	प्रशासन को इस •	43/1	0.004
बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)		योग	2.328
में वर्णित भूमि अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सा	र्वजनिक प्रयोजन		
के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894		(2) सार्वजनिक प्रयोजन के लिए	आवश्यकता हैकटारी माइतर
(क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधि।			and the state of t
धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त		(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का	निरीक्षण भ-अर्जन अधिकारी
भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—			ह कार्यालय में किया जा सकता

अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
 - (क) जिला-जॉजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़)
 - (ख) तहसील-जैजैपुर
 - (ग) नगर/ग्राम-डोगिया, प. ह. नं. 14
 - (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.328 हे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, एम. आर. सारथी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

खसरा नम्बर	रकवा		
	(हेक्टेयर में)		
(1)	(2)		
31	0.085		
46	0.105		
47	0.024		
45	0.036		
42	0.085		
67/1	0.077		
67/2	0.016		

Th

m.

. .